मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 274
शनिवार, 26 अप्रैल 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत के विजन 2047 का लक्ष्य देश को नवाचार, सतत विकास के केंद्र में बदलना : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के विजन 2047 का लक्ष्य देश को नवाचार, सतत विकास और समावेशिता के केंद्र में बदलना है, जहां हर नागरिक उच्च गुणवत्ता वाला जीवन जी सके और देश की प्रगति लोगों पर केंद्रित और धरती के अनुकूल हो।

प्रधानमंत्री का संदेश यहां तीन-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पढ़ा गया। उन्होंने अपने संदेश में कहा, यह विजन केवल आर्थिक प्रकृति का नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ नवाचार और आधुनिकता को अपनाने पर गर्व करता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) की इकाई स्वदेशी शोध संस्थान ने विभिन्न

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन किया है, जिसका उद्देश्य विकास के भारतीय मॉडल के आधार पर 2047 की ओर भारत की विकास यात्रा के लिए दूरदर्शितापूर्ण अंतर्दृष्टि और रणनीतिक मार्ग तैयार करना है। प्रधानमंत्री ने विजन 2047: समृद्ध और महान भारत विषय पर सम्मेलन के आयोजन की सराहना की और इसे एक विचारशील पहल बताया तथा इसकी सफलता की कामना की। उन्होंने अपने संदेश में कहा, भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने जा रहा है, इसलिए हमारा विजन एक ऐसे भविष्य से प्रेरित है जो समृद्ध, आत्मनिर्भर, समावेशी और विश्वस्तर पर सम्मानित हो। उन्होंने कहा कि इस तरह का विजन भारत को नवाचार, सतत विकास और समावेशिता के केंद्र में बदलने की आकांक्षा रखता है, जहां हर नागरिक उच्च गुणवत्ता वाला जीवन जी सके और राष्ट्र की प्रगति लोगों पर केंद्रित और धरती के अनुकूल हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 के लिए भारत का विजन सिर्फ एक मंजिल नहीं है, बल्कि मजबूत, विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की सतत यात्रा है। उन्होंने कहा, प्रेरित युवाओं और सशक्त संस्थानों के माध्यम से, भारत एक ऐतिहासिक परिवर्तन हासिल करने के लिए तैयार है।

उच्चतम न्यायालय ने यूजीसी को रैगिंग, भेदभाव पर मसौदा नियम अधिसूचित करने की दी अनुमति

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को वर्ष 2025 के मसौदा नियम को अधिसूचित करने की अनुमति दे दी। ये नियम उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग, यौन उत्पीड़न और जाति, लिंग, दिव्यांगता तथा अन्य पूर्वाग्रहों के आधार पर भेदभाव को मिटाने के लिए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 24 मार्च के फैसले पर गौर किया, जिसमें ऐसे संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों पर विचार किया गया था और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने की खातिर एक राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) का गठन किया गया था। पीठ ने कहा, इसके मद्देनजर, हम यह स्पष्ट करना उचित समझते हैं कि यूजीसी मसौदा विनियम 2025 को अंतिम रूप देने के लिए आगे बढ़ सकता है और उसे अधिसूचित कर सकता है।

अदालत ने कहा कि, जैसा कि इस अदालत ने अमित कुमार के मामले में (24 मार्च के फैसले में) कहा था, ये नियम एनटीएफ की सिफारिशों के अतिरिक्त हैं। पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि एनटीएफ की सिफारिशों और शीर्ष अदालत द्वारा विचार किए जाने तक, याचिकाकताओं या किसी जनहितैषी व्यक्ति को यूजीसी द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले नियमों में उपयुक्त चीजें जोड़ने या हटाने का सुझाव देने के लिए उचित याचिका दायर करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कहने की जरूरत नहीं है कि ऐसे सुझावों पर विचार किया जाएगा।

विपक्ष ने सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए समर्थन दिया : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यहां सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। राहुल ने संवाददाताओं से कहा, सभी दलों ने (पहलगाम हमले की) एक स्वर में निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए समर्थन दिया। सरकार ने बृहस्पतिवार को यहां सर्वदलीय बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को पहलगाम आतंकवादी हमले की जानकारी दी और उनके विचार सुने।

सरकार की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित

शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश मंत्री निर्मला सीतारमण और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीरीजू बैठक में मौजूद थे।

राजनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल थे। इससे पहले, विपक्ष ने मांग की थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करें।

मोदी बृहस्पतिवार को बिहार के मधुबनी के दौरे पर थे, जहां उन्होंने घोषणा की कि पहलगाम के हत्यारों और उनके समर्थकों की पहचान कर उन्हें दंडित किया जाएगा। सर्वदलीय बैठक के एक दिन पहले सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदमों की घोषणा की थी। आतंकवादियों ने मंगलवार दोपहर कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश में 1000 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान, निर्वासन प्रक्रिया हुई शुरू

लखनऊ, 25 अप्रैल। भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए उसके साथ राजनयिक संबंधों में व्यापक कटौती, छह दशक से ज्यादा पुरानी सिंधु जल संधि स्थगित करने और अटारी चौकी को बंद किए जाने समेत कई फैसले किए। पहलगाम में नृशंस हमले में 26 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई, जिसमें इस कायरतापूर्ण हमले के प्रति भारत के जवाबी कदमों को अंतिम रूप दिया गया तथा सुरक्षा बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक

आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को वित्तपोषित करने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। निर्वासन की प्रक्रिया शुरू हो गई है, और सरकार की प्रतिक्रिया के तौर पर पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वीजा रद्द कर दिए गए हैं। प्रभावित पाकिस्तानियों में से कई वाघा सीमा पार करके अपने वतन लौटने लगे हैं। इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य ने भी राज्य में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने की तैयारी शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में राज्य में 1,000 से 1,200 पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं। हालांकि केंद्र सरकार का आधिकारिक निर्वासन आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन निर्देश जारी होते ही प्रत्यावर्तन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी चल रही है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की, राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। एक बार जब हमें केंद्र से अंतिम निर्देश मिल जाते हैं, तो हम उन्हें वापस भेजने के लिए तदनुसार कार्रवाई करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संपर्क किया है, उन्हें अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने और उनके शीघ्र निर्वासन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। शाह ने त्वरित कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया कि वर्तमान में भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिक बिना किसी देरी के अपने देश लौट आएं। विदेश मंत्रालय ने घोषणा की है कि पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी वैध वीजा 27 अप्रैल, 2025 से निरस्त कर दिए जाएँगे। हालाँकि, मेडिकल वीजा को थोड़े समय के लिए बढ़ाया गया है और यह 29 अप्रैल, 2025 तक वैध रहेगा। भारत में सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अपने वीजा की वैधता समाप्त होने से पहले ही भारत छोड़ देना चाहिए।

ये घटनाक्रम 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन मैदान में हुए आतंकी हमले के बाद हुए हैं, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी।

ओलेक्ट्रा ने लॉन्च किया जीएफआरपी रीबारः स्टील का बेहतर विकल्प

हैदराबाद। ओलेक्ट्रा ने एमईआईएल बजट मीट के दौरान जीएफआरपी रीबार (ग्लास फाइबर प्रबलित पॉलिमर रीबार) लॉन्च किया है। यह कंक्रीट सुदृढीकरण में एक बड़ी तकनीकी सफलता मानी जा रही है। इस नए उत्पाद को एमईआईएल के प्रबंध निदेशक श्री पी.वी. कृष्ण रेड्डी ने लॉन्च किया।

जीएफआरपी रीबार की विशेषताएंः - स्टील से दोगुना मजबूतः 950-1100 टढं की ताकत- स्टील से चार गुना हल्काः आसानी से हैंडल और ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है

- जंगरोधी, गैर-चुंबकीय और जल-प्रतिरोधीः लंबे समय तक चलने वाला उत्पाद

- पर्यावरण के अनुकूलः स्टील का आदर्श विकल्प

ओलेक्ट्रा के सीएमडी का बयानः

ओलेक्ट्रा के सीएमडी के.वी. प्रदीप ने कहा, श्यह उत्पाद इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग में क्रांति लाएगा। यह लागत बचत, कम रखरखाव और लंबी उम्र प्रदान करता है। इसके उपयोग से निर्माण परियोजनाओं में नए मानक स्थापित होंगे।

उपयोगः जीएफआरपी रीबार को समुद्री प्रोजेक्ट्स, सड़क, ब्रिज डेक और औद्योगिक निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह स्टील की तुलना में ज्यादा टिकाऊ और भरोसेमंद है ।

ओलेक्ट्रा के बारे मेंः टएक्छ समूह का हिस्सा, ओलेक्ट्रा, 2000 में स्थापित हुई। यह भारत में इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत करने वाली पहली कंपनी है। अब रीबार के साथ, ओलेक्ट्रा ने इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में कदम रखा है।

दार्जिलिंग की पहाड़ियों में टॉय ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, कोई हताहत नहीं

दार्जिलिंग। दार्जिलिंग जिले के सुकना के निकट शुक्रवार को दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे टॉय ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चालक या उसके सहायक को किसी प्रकार की चोट आने की कोई सूचना नहीं है।

उन्होंने बताया कि इंजन न्यू जलपाईगुड़ी से कुर्सियांग जा रहा था तभी सुकना के पास यह अचानक पटरी से उतर गया और बगल से गुजरती सड़क पर जा गिरा। एक अधिकारी ने बताया कि इंजन के पटरी से उतरने के पीछे ब्रेक फेल होना कारण हो सकता है, लेकिन जांच से ही वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और इंजन को फिर से पटरी पर लाने का काम जारी है।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस- 26 अप्रैल 2025

-ललित गर्ग

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम आईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करें है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के रूप में इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, वे हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं कर सकता, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार

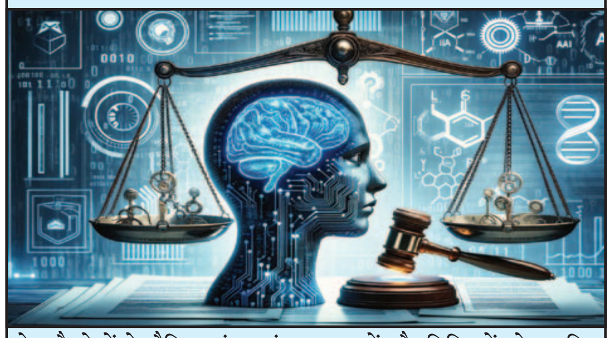

देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी जैसे कला, लेखन, वृद्धि, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक संपदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक। इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं। आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है। आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है। शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। इन संगीत प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार एवं संगीतकारों के लिये यह उनकी बौद्धिक सम्पदा है। यह दिन इन बौद्धिक संपदा से जुड़े अधिकारों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है, जो रचनाकारों और आविष्कारकों को उनके काम के लिए पुरस्कृत करने में मदद करता है एवं उनके उचित पारिश्रमिक को सुनिश्चित करता है। वैश्विक स्तर पर, युवा लोग नवाचार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपनी ऊर्जा और सरलता, अपनी जिज्ञासा और सरलता का उपयोग करके बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन कर रहे हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है। तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

जेनेरिक दवाओं का गोरखधंधाः मेडिकल स्टोर वाले मालामाल

अशोक भाटिया

हाल ही में मुझे खुद को एक अनुभव मिला जब मैंने डॉक्टर की लिखी दवा ढअठअट -ऊफ़ अपने मेडिकल स्टोर से खरीदी तो उसे छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ओन लाइन ळफ्फ्रए टअऊसे मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी । इसी प्रकार जब डायबिटीज की गोली ऋछक्कछेएठक ऑन लाइन मंगवाने की सोची तो उसका भाव ६४० रुपए दशार्या गया था व २० % छुट । उसके बाद भी तुर्रा यह कि उसे आउट ऑफ स्टॉक बताया गया था । (स्क्रीन शॉट साथ में है) । बाद में जब प्रधानमंत्री के जन औषधि केंद्र वाले दुकान पर उसकी तलाश की तो वही दवाई २३० रुपये में मिली और वहां भी गोली पर भाव ६४० रुपये ही छपा था । इसके बाद मैंने तय किया कि इसके बारे में मैं विस्तार से तपशील करूँगा । मैं एक ही दवा को लेकर अलग झ अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर गया । मैंने पाया कि एक ही दवा अलग झ अलग दुकान पर अलग झ अलग नामों से व भावों से बिक रही है । 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है । और पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन के एक लेख के अनुसार ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का \ऱकेमिकल सॉल्ट\' होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन यां डोलो -६५० के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है।

गौरतलब है कि देश में जेनरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश जारी किया था । सरकार ने आदेश जारी कर सभी डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं पेशेंट्स के लिए लिखने को कहा था । सरकार ने सख्त होते हुए कहा कि अगर डॉक्टर पर्ची में जेनरिक दवा नहीं लिखी जाती तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए इस बात की वार्निंग दी थी कि जो कोई भी डॉक्टर जेनरिक दवाओं को अपने पर्ची में शामिल नहीं करेगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा सकता है।केंद्र सरकार ने सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों के डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं ही लिखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी की थी ।पर न जाने क्यों यह आदेश समय के अनुसार धुंधला पड़ गया ।

बताया जाता है कि सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी करती रहती है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की।ऐसा लगभग 10 साल से सुनते आ रहे हैं पर कानून अमली जामा कब पहनेगा मालूम नहीं ? इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने और सरकारी नीतियों में बदलाव को लेकर काम कर रहे जन स्वास्थ्य अभियान के डॉ. इंद्रनील मुखोपाध्याय बताते हैं- जेनेरिक दवाओं को लेकर भारत और विदेशों में काफी अंतर है। 2007 के बाद से पेटेंट कानून में कोई प्रभावी संशोधन नहीं हुआ। दूसरी बड़ी बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर होता है। खास तौर पर इनकी प्रिंट रेट और खरीद कीमत में भारी अंतर होता है। ऐसे में सरकार को इन दवाओं की एवरेज प्राइसिंग करनी चाहिए। इससे दवाओं की कीमतों में बड़ा फर्क आ जाएगा। अभी किसी भी मरीज का दवाओं पर औसत खर्च 180% ज्यादा है। दवा कीमतों पर नियंत्रण के बाद इसमें भारी कमी आ जाएगी।

डॉ. मुखोपाध्याय बताते हैं कि जेनेरिक दवा ब्रांडेड भी होती है। एक ही कंपनी जेनेरिक और ब्रांडेड, दोनों दवाएं बनाती है, लेकिन उनकी कीमतों में काफी अंतर होता है। ऐसे में अगर सरकार लोगों को या मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाना चाहती है तो उनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। जेनेरिक दवाओं के मामले में भी बड़ा खेल होता है, खासतौर पर सरकारी खरीद या अस्पतालों में खरीदी जाने वाली दवाओं के मामलों में। ऐसे में इनकी कीमतों पर नियंत्रण ही मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने का रास्ता खोल सकता है। कई जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर जैसी बीमारियों में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे- एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपए है, जबकि जेनरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपए महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं।

- नोवार्टिस की कैंसर की दवा ग्लीवियो- इमेटिनिब मिसाइलेट का एक महीने का खर्च 2,158 डॉलर यानी करीब 1.51 लाख रुपए पड़ता है, जबकि जेनरिक रूप में इसी दवा का खर्च 174 डॉलर प्रति माह (12,180 रुपए) है, यानी 12 गुना या 92% से भी कम। - ऐसे ही बेयर की कैंसर ड्रग सोराफेनिब टोसाइलेट, जिसे वह नेक्सावर के नाम से बेचती है, उसका एक महीने का खर्च करीब 5,030 डॉलर है, जबकि जेनरिक दवा लेने पर यही खर्च महज 122 डॉलर प्रति माह रह जाता है।

जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स के मुताबिक, एक पेटेंट इनोवेटर को उस उत्पाद पर रिसर्च के दौरान किए गए खर्च या लागत को वसूलने और उससे लाभ हासिल करने की अनुमति देता है। जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी दवा के इनोवेटर या कंपनी उस दवा को बनाने से लेकर बाजार में उतारने और उसके बाद के 10-15 साल के दौरान करीब 80 करोड़ डॉलर यानी करीब 5,600 करोड़ रुपए खर्च करती है। ऐसे में पेटेंट के 20 साल के दौरान उसे इस खर्च को वसूलने और मुनाफा कमाने का मौका मिल जाता है। डॉ. हेमंत जैन और डॉ. मुखोपाध्याय का कहना है कि अगर जेनेरिक दवा लिखना अनिवार्य होता है तो इसके साथ-साथ फार्मा सेक्टर में हजारों नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो जाएगा। इनके मुताबिक, एक दवा को कई कंपनियां बनाती हैं। उनके प्रचार-प्रसार या उन्हें प्रमोट करने के लिए भारी भरकम स्टाफ रखती है। इनमें सबसे ज्यादा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) हैं, जो डॉक्टर्स के पास विजिट कर उन्हें अपनी कंपनी की दवा लिखने को कहते हैं। कई डॉक्टर्स को इसके लिए बाकायदा कमीशन या महंगे-महंगे गिफ्ट तक दिए जाते हैं। ऐसे में डॉक्टर जब सिर्फ जेनेरिक दवा लिखेंगे, तो यह सब करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका दूसरा असर यह होगा कि ब्रांडिंग खत्म हो जाएगी तो दवा कंपनियों को प्रचार-प्रसार के लिए स्टाफ भी कम रखना पड़ेगा। कई लाख मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्ज की नौकरियां खतरे में आ जाएंगी। फार्मा और मेडिकल सेक्टर से जुड़ी डॉकप्लेक्सस के मुताबिक, बड़ी कंपनियों में से प्रत्येक अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए 5 हजार से ज्यादा फील्ड स्टाफ रखती है। इसके अलावा फार्मा कंपनियां कुल बजट का 20% फील्ड स्टाफ की भर्ती और खर्च का 60% फील्ड स्टाफ और उनसे जुड़ी गतिविधियों पर खर्च करती हैं।

इसका दूसरा पहलू भी है। ज्यादातर डॉक्टर्स सरकार की इस योजना का विरोध कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि ऐसे किसी कानून के लागू होने के बाद दवा से जुड़ी सभी शक्तियां केमिस्ट के हाथों में चली जाएंगी। उनकी दलील है कि डॉक्टर के जेनेरिक दवा लिखने के बाद केमिस्ट तय करेगा कि मरीज को कौन-सी दवा देनी है। ऐसी स्थिति में वह दवा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना वही दवा देगा, जिसकी बिक्री से उसे अधिक मार्जिन या मुनाफा हासिल होगा। फार्मा सेक्टर से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इसमें डॉक्टर्स को तो कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि उनके पास तो मरीज आते रहेंगे, लेकिन जनता को अच्छी गुणवत्ता की जेनेरिक दवा मिलेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके बाद दवा कंपनियां सीधे स्टॉकिस्ट या केमिस्ट से संपर्क करेंगी और उसे अपनी दवा बिक्री के लिए कई तरह के लालच दे सकती हैं, जिसका नुकसान आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को इस दिशा में भी सोच-विचार करना चाहिए।अब यह सरकार को तय करना है कि जिस कानून को वह साल दर साल दोहराती है उसे अमली जामा कैसे पहनाया जा सकता हैं ।

हर शख्स मांगे जवाब, हर आंसू का हो हिसाब!

-सुरेश गांधी

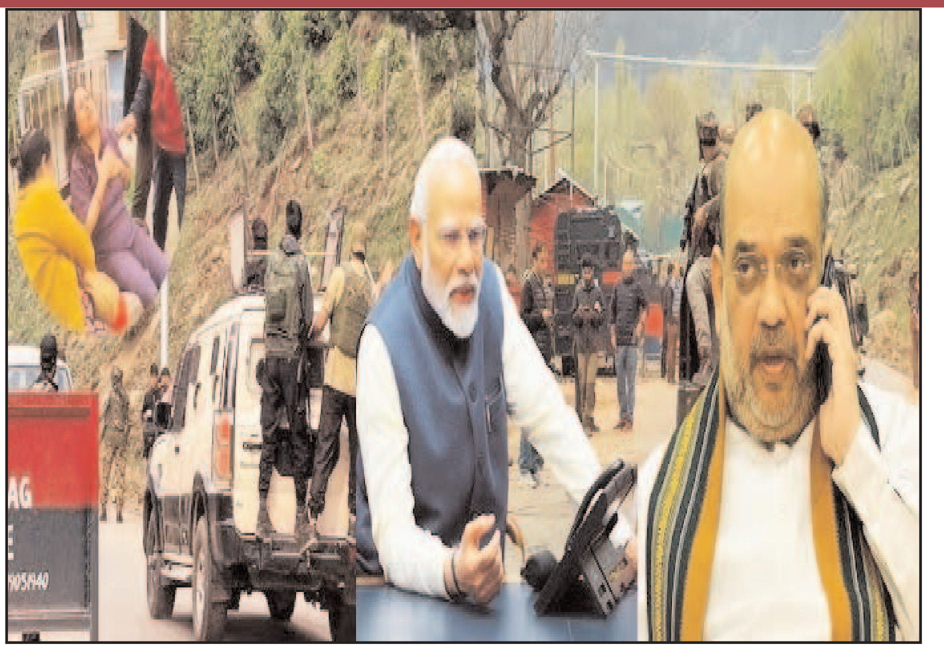

जम्मू कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हमास स्टाइल में हुए आतंकी हमले के बाद देश का हर शख्स बेचैन है, और ट्रंप से लेकर पुदीन सहित पूरी दुनिया चिंतित। या यूं कहे पाक परस्त आतंकी घटना से देश का हर नागरिक गुस्से में है और चाहता है कि सरकार अब हर आंसू का हिसाब करें। वैसे भी यह सामान्य आतंकी घटना नहीं बल्कि, पाकिस्तान की भारत के विरुद्ध खुले युद्ध की घोषणा है। मोदी सरकार को इसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। घटना में शामिल आंतकी पूरे देश के गुनहगार है। जल्द ही सर्जिकल स्ट्राइक या इससे बड़ा कार्रवाई कर उन्हें उनकी गुनाहों की सजा दी जानी चाहिए। इन्हीं इच्छाओं एवं जनभावनाओं के दबाव के बीच आतंकियों को करारा जवाब देने की संकल्पबद्धता को दुहराते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनका धरती के आखिरी छोर तक पीछा कर नेस्तनाबूद करने की बात कहीं है। मोदी के इस ऐलान व जवाबी कार्रवाई से तमतमाएं पाकिस्तान ने भी जवाबी कार्रवाई कर आग में घी डाल दिया है। पाकिस्तान के सिंधु जल समझौता स्थगित करने को युद्ध जैसा बताने के बाद सुरक्षा बल तो सतर्क हो गए हैं, भारतीय सेना भी युद्धाभ्यास में जुट गई है। खास यह है कि केंद्र सरकार और सुरक्षा बल आतंकियों और उनके पनाहगारों पर बड़ा वार करने की तैयारी में नजर आ रहे हैं। मतलब साफ है भारत के 140 करोड़ लोगों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी

फिरहाल, अब पाकिस्तान को सबक सीखानें का समय आ गया है। यह कायराना हरकत है और सीधे हमारी सेनाओं और सरकार को आतंकियों ने चुनौती दी है। शायद यही वजह है कि देश के लोगों की भावनाओं के अनुरुप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की धरती से आतंकियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि हमले के जिम्मेदार हर आतंकी और उसके समर्थकों की पहचान की जाएगी। उनकी पृथ्वी के आखिरी छोर तक पीछा किया जाएगा और ऐसी सजा दी जाएगी जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। भारत के 140 करोड लोगों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं को कमर तोड़ कर रहेगी। यह अलग बात है कि यह सब तभी संभव हो पायेगा जब जम्मू-कश्मीर में स्थानीय लोगों को आतंक के खिलाफ भरोसे में लेते हुए पूरे विपक्ष साथ होगा और यह सब करने के लिए भारत को संयम के साथ सख्त नीति अपनानी होगी। न ज्यादा शांत, न ज्यादा आक्रामक बल्कि सर्जिकल, स्मार्ट और रणनीतिक चरणबद्ध योजना बनानी होगी। पाकिस्तान को एक ऐसा संदेश जाना चाहिए कि भारत शांति चाहता है, लेकिन कमजोरी नहीं है। ठीक उसी तरह जैसे 2016 का उरी हमला और सर्जिकल स्ट्राइक, ह्लस्ट्रैटेजिक रिस्ट्रेंट डॉक्ट्रिनह्ल (1999 के बाद अपनाई गई संयम की नीति) को बदलने की जरूरत महसूस हुई और संदेश गया कि भारत अब केवल रक्षा नहीं, आक्रामक जवाब भी देगा, सीमित, सटीक और तेज।

खास यह है कि अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी जैसे देशों ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को स्वीकार किया। इससे पाकिस्तान को कूटनीतिक झटका लगा, क्योंकि दुनिया ने उसे ही ह्लआतंकियों को शरण देने वालाह्ल माना। पुलवामा हमला और बालाकोट एयर स्ट्राइक (2019)। देखा जाएं तो यह भी आत्मघाती हमला था, जिसमें भारत के 40 जवान मारे गए। यह एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक और राष्ट्रीय झटका था। भारत ने पहली बार पाकिस्तान के अंदर जाकर हवाई हमला किया। यह ह्लनए भारतह्ल की सैन्य नीति का प्रतीक था। इसे भी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया सहित सभी ने भारत के रुख को समर्थन दिया। यह अलग बात है कि पाकिस्तान ने जवाब में हवाई हमला किया, लेकिन भारत ने उसका भी मुकाबला किया। (अभिनंदन वाला प्रकरण)। कारगिल युद्ध (1999), यह एक ऐसी स्थिति थी जब पाकिस्तानी सैनिक और आतंकवादी भारतीय क्षेत्र में घुस आए थे। लेकिन सीमित व तीव्र सैन्य कार्रवाई में भारत ने कारगिल से घुसपैठियों को खदेड़ा और पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग हुआ। जहां तक लगातार फायरिंग और सीजफायर उल्लंघन का मामला है तो उसका मकसद सिर्फ आतंकियों की घुसपैठ कराना होता है। कहने का अभिप्राय यह है कि पाकिस्तान के खिलाफ साइबर मोर्चे से लेकर व्यापार और कूटनीतिक संबंधों में सीमाएं तय करते हुए उसे चोट पहुंचाया जा सकता है। यह अलग बात है कि आतंकवाद को केवल बाहर से नहीं, बल्कि अंदर से भी रोकने की जरूरत होगी। इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना, सेना और पुलिस की तैनाती बढ़ाना, हाईवे और तीर्थयात्रा रूट्स की निगरानी, ड्रोन और आधुनिक तकनीक का उपयोग, इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करना, लोकल इंटेलिजेंस की भागीदारी बढ़ाना, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर, सीमा पार से होने वाली घुसपैठ को रोकना, राजनयिक और वैश्विक दबाव बनाना, संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मामला उठाना, स्थानीय लोगों का सहयोग लेना, लोगों में भरोसा बनाना कि वे आतंकियों के खिलाफ खड़े हो, विकास योजनाओं में स्थानीयों की भागीदारी, मीडिया और अफवाहों पर नियंत्रण करते हुए सही जानकारी लोगों तक पहुँचना आदि कार्यो को करना होगा।

जहा तक पाकिस्तान सवाल है तो वह अक्सर आतंकवादी संगठनों का उपयोग ह्लप्रॉक्सी वॉरह्ल के रूप में करता रहा है। कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में आतंकी घटनाओं से भारत में अस्थिरता फैलाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर मुद्दे को जिंदा रखना, भारत को सुरक्षा मोर्चे पर मजबूर करना, जैसे रणनीतिक उद्देश्य पूरे किए जाते हैं। भारत के जवाब में पाकिस्तान ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक के बाद भारत के साथ व्यापार पर रोक, वाघा बॉर्डर बंद करने और भारतीय विमानों के लिए पाकिस्तानी वायुक्षेत्र के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फैसला किया है. लेकिन जाहिर है, इनका भारत पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला. ऐसे ही, सिंधु जल समझौता स्थगित करने के भारतीय फैसले को पाकिस्तान ने जिस तरह युद्ध का एलान बताया है, वह उसकी गीदड़ भभकी ही ज्यादा है. सच तो यह है कि पाकिस्तान आज दुनिया में जिस तरह अलग-थलग पड़ गया है, वैसी स्थिति में वह इससे पहले कभी नहीं था. अमेरिका, अफगानिस्तान, खाड़ी देश- कहीं उसका कोई मददगार नहीं है. अमेरिकी कारोबारी आक्रामकता का सामना करते चीन के पास भी फिलहाल पाकिस्तान के साथ खड़े होने का अवसर नहीं है. ध्यान रखना चाहिए, अभी तो सिर्फ पाकिस्तान को घेरने की कवायद की गयी है. उसके खिलाफ सख्त सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी खुला है. माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में हमारी सरकार पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करेगी. जैसा कि उसने उरी और पुलवामा हमलों के बाद किया था. पाकिस्तान को भी इसका अंदेशा है. इसी कारण उसने पाक अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को तत्काल खाली करने का निर्देश दिया है. इसके अलावा नियंत्रण रेखा के पास हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. पाकिस्तान सरकार और उसकी सेना ने भी बैठक बुलायी है. यह भी तय है कि हमारी सैन्य कार्रवाई की प्रतिक्रिया में पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा. इसलिए हमें सैन्य कार्रवाई करते हुए पूरी तैयारी रखनी होगी और किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा. ऐसा नहीं होना चाहिए कि सैन्य कार्रवाई के बाद हम शांत हो जायें. इसलिए पाकिस्तान के खिलाफ किसी भी कार्रवाई से पहले हमें युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना होगा. आतंकवादियों के मददगार और प्रायोजक के खिलाफ सभी मोर्चों पर जंग शुरू करने का यह उचित समय है, ताकि उसे सबक सिखाया जा सके.

आतंकवादी संगठन, अलगाववादी तथा पाकिस्तान भूल रहे हैं कि भारत, जम्मू-कश्मीर और वैश्विक अंतरराष्ट्रीय स्थितियां बदली हुई हैं. कश्मीर के स्थानीय लोगों को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद बदली स्थिति का लाभ मिला है. खुलकर हवा में सांस लेने लगे हैं, बच्चे पढ़ने लगे हैं, खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं और सबसे बढ़कर विकास उनके घर तक पहुंच रहा है. पहले की तरह वहां आतंकवादियों से मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के विरुद्ध प्रदर्शन और पत्थरबाजी नहीं दिखती. यह तो नहीं कह सकते कि आतंकवादियों का स्थानीय समर्थन बिल्कुल खत्म हो गया है, पर स्थिति पहले की तरह नहीं है. कभी पाकिस्तान को अमेरिका या कुछ यूरोपीय देशों की अंतरराष्ट्रीय नीति के कारण शह मिल जाती थी, किंतु अब वह अकेला है. अफगानिस्तान तक उसके विरुद्ध खड़ा है. ज्यादातर प्रमुख मुस्लिम देश भी पाकिस्तान का साथ देने को तैयार नहीं. भारत की स्थिति भी पिछले 10 साल में काफी बदली है. दो बार सीमापार कार्रवाई करके प्रदर्शित भी किया गया है कि हम प्रायोजित आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने वाले देश बन चुके हैं. अमेरिका, रूस और यूरोपीय देश ही नहीं, कई मुस्लिम देशों ने इस घटना में भारत के साथ होने का बयान दिया है. इसलिए प्रधानमंत्री मोदी अगर दोषियों को बख्शे नहीं जाने की बात कर रहे हैं और अमित शाह मोर्चा संभाले हुए हैं, तो आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के लिए अब तक का सबसे बुरा समय होगा. पहलगाम में हुआ आतंकी हमला जम्मू-कश्मीर में पिछले कई सालों से किए जा रहे शांति के प्रयासों को पटरी से उतारने वाली हरकत है। धर्म पूछ-पूछकर हत्या करना न सिर्फ घाटी बल्कि, पूरे देश में सांप्रदायिक आग भडकाने और राज्य की आर्थिक रीढ़ तोड? की नीयत से किया गया जान पड़ता है। इस हमले ने अनुच्छेद 370 स्थगित करने और उसके बाद विकास को पंख देने के प्रयासों को तगड़ा झटका दिया है। दरअसल, आतंकी आकाओं को यह बात बर्दाश्त नहीं हो रही है कि जम्मू-कश्मीर के लोग आर्थिक रूप से सक्षम हो जाएं। अब तक वे राज्य के लोगों को गुमराह करने के लिए वहां की आर्थिक बदहाली का ही फायदा उठाते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में घाटी में विकास की नई बयार बहने लगी है। जनता से पिछले विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर अपने फर्जी रहनुमाओं को स्पष्ट संदेश दे दिया था। यह सब पाकिस्तान को कैसे रास आता। पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने तो आतंकी गुटों को उकसाने वाला बयान भी दिया था। सिंधु जल संधि पर भारत में पहले भी सवाल उठते रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्वी इलाकों के लिए जीवन रेखा माने जाने के बावजूद सिंधु का ज्यादातर पानी बिना किसी इस्तेमाल के समुद्र में चला जाता है। दूसरी तरफ, इस संधि के कारण भारत चाहकर भी पानी का इस्तेमाल नहीं कर पाता। ऐसी संधि को नीतिगत चूक के रूप में देखा जाता रहा है। इसको दुरुस्त करने का भी यह अच्छा मौका है। इस संधि को स्थगित करके भारत ने बताया है कि जल कूटनीति का रणनीतिक इस्तेमाल करने का समय आ गया है।

अशोक लेलैंड ने तेलंगाना में किया अपना विस्तार, निजामाबाद में नई एलसीवी डीलरशिप खोली

निजामाबाद, तेलंगाना। हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निमार्ता कंपनियों में से एक अशोक लेलैंड ने आज निजामाबाद में एक नए लाइट कमर्शियल व्हीकल (एलसीवी) डीलरशिप का उद्घाटन किया। यह तेलंगाना राज्य में चौथी एलसीवी डीलरशिप है। डीलर नेटवर्क में नवीनतम जोड़, खुशी ट्रक्स, निजामाबाद में मारुति एरिना के ठीक सामने हैदराबाद रोड पर रणनीतिक रूप से स्थित 3र (बिक्री, सेवा और स्पेयर) सुविधा संचालित करता है। यह अत्याधुनिक सुविधा, बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है, जो उन्नत उपकरणों, सात समर्पित त्वरित-सेवा बे और आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। डीलरशिप अशोक लेलैंड के एलसीवी उत्पादों की पूरी श्रृंखला पेश करेगी - बड़ा दोस्त, दोस्त, साथी, पार्टनर और मित्र। अशोक लेलैंड के एलसीवी बिजनेस के प्रमुख विप्लव शाह ने कहा, तेलंगाना हमारे लिए एक प्रमुख बाजार रहा है और हम इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं। हमारा ब्रांड सिद्धांत श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ माइलेज, बेहतर प्रदर्शन और उच्च पेलोड के इर्द-गिर्द घूमता है। हमें अपनी असाधारण सेवा पर बहुत गर्व है, हमारे लगभग 70% ग्राहक वारंटी अवधि के बाद भी हमारे वर्कशॉप में आते रहते हैं। यह नई डीलरशिप असाधारण ग्राहक अनुभव प्रदान करने के हमारे मिशन में एक और मील का पत्थर है।अशोक लेलैंड के एलसीवी उत्पाद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उन्नत तकनीक प्रदान करके भारतीय ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं।

शालिनी सिंह को डॉक्टर बनने पर लोगों ने दी बधाई

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के सम्माननीय सदस्य आर. डी. सिंह की सुपुत्री डॉ. शालिनी रामदुलार सिंह ने बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की डिग्री टेरना मेडिकल कालेज हास्पिटल नेरुल नवी मुंबई से प्राप्त की है। इसके लिए अखंड क्षत्रिय समाज संस्था परिवार की तरफ से बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस उपलब्धि से क्षत्रिय समाज बहुत गौरवान्वित है। इसके लिए क्षत्रिय समाज की बेटी को और उनके माता-पिता को बहुत-बहुत बधाई देता है। समाजसेवी व उत्तर भारतीय समाज के रत्न व्यवसायी बिजेंद्र रामचंद्र सिंह, प्रभात सिंह बबलु, सतीश सिंह,अवनीश सिंह, उदय सिंह वकील, अरुण सिंह, अमित सिंह मास्टर, सन्नी सिंह, विशाल सिंह,विजय भान सिंह, वरिष्ठ पत्रकार लाल शेखर सिंह, संजय सिंह सिटी लॉजिक , अरुण सिंह एडवोकेट, योगेंद्र सिंह कौशिक, जयनाथ सिंह, के आर सिंह मास्टर ने शालिनी बेटी को और उनके माता-पिता को बहुत-बहुत बधाई दिया है। यह जानकारी अमित सिंह ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन संयोजक महाराष्ट्र ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी वसई डिवीजन की बैठक संपन्न

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई-पूर्व कार्यालय में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई विधानसभा क्षेत्र में बिजली वितरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों और इस बैठक में: विधानसभा क्षेत्र में विद्युत भार और बार-बार होने वाली विद्युत कटौती के संबंध में गहन चर्चा हुई। जिसमें सुझाव दिए गए कि बैच कंडक्टर, भूमिगत केबल और बनाए जाने वाले नए ईएचवी सेंटर के संबंध में निर्णय लिया जाना चाहिए। वसई के लिए 2030 तक बिजली प्रबंधन हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। विरार नारंगी से पुरा पाड़ा पॉइंट 2 तक कंडक्टर का कार्य तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए, ताकि अनार्ला, अगाशी, वातर, नंदाखाल, सप्ताला के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुचारू हो सके। स्पष्ट निर्देश दिए गए कि अनाधिकृत निमार्णों को बिजली कनेक्शन न दिया जाए। महावितरण से संबंधित शिकायतों का 7 दिनों के भीतर समाधान किए जाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस कायराना हमले की भी सार्वजनिक रूप से निंदा की गई।

कैंडेरे के संस्थापक रुपेश जैन ने डायमंड ज्वेलरी ब्रांड लुसिरा लॉन्च किया

मुंबई। कल्याण ज्वेलर्स द्वारा अधिग्रहण से पहले कैंडेरे को भारत के सबसे सफल ऑनलाइन फाइन ज्वेलरी प्लेटफॉर्म्स में से एक बनाने वाले डिजिटल ज्वेलरी पायोनियर रुपेश जैन अब एक नए साहसी उद्यम– लुसिरा, की वजह से एक बार फिर चर्चा में हैं। यह एक आधुनिक लैब में विकसित डायमंड ज्वेलरी ब्रांड है, जो आज के जागरूक, डिजाइन-फॉरवर्ड कंज्यूमर के लिए तैयार किया गया है और फाइन ज्वेलरी के साथ जुड़ने के तरीके को बदलने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। लुसिरा के संस्थापक, रुपेश जैन ने कहा, हमारा विजन एक ऐसा प्रीमियम, डिजाइन-आधारित फाइन ज्वेलरी डेस्टिनेशन बनाना है जो ऑनलाइन शुरू हो और खूबसूरती से क्यूरेट किए गए फिजिकल स्पेस तक विस्तार करें। एआई-आधारित कस्टमाइजेशन, वर्चुअल ट्राई-ऑन और सहज ई-कॉमर्स के जरिए हम डिजिटल रूप से खरीदारी के अभ्यस्त, मूल्य को महत्व देने वाले और अनुभव-केंद्रित उपभोक्ताओं तक पहुँच रहे हैं। हमारे फ्लैगशिप स्टोर्स इस विजन को साकार करेंगे, जहां टेक्नोलॉजी की सुविधा और टच की भावना का समन्वय होगा। जैसे-जैसे हम भारत और वैश्विक बाजारों में विस्तार करेंगे, हमारा उद्देश्य सरल है: लुसिरा को आधुनिक भारतीय लक्जरी का पर्याय बनाना–जो व्यक्ति केंद्रित हो, उद्देश्यपूर्ण हो, और गर्व से भारतीय हो।

डीएस ग्रुप ने 10,000 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक राजस्व हासिल किया

मुंबई। अग्रणी एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10,000 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक राजस्व को पार कर लिया है, जिससे यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42% है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38%, हॉस्पिटैलिटी 3% और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10% से भी कम है। पिछले तीन वर्षों में डीएस ग्रुप ने 16% की सीएजीआर दर से सतत विकास किया है, जबकि खाद्य एवं पेय सेगमेंट ने 19% की सीएजीआर के साथ उल्लेखनीय प्रगति की है। यह वृद्धि पूरी तरह से ऑर्गेनिक रही है और इससे समूह की बाजार में नेतृत्वकारी स्थिति और विस्तार की प्रतिबद्धता प्रमाणित होती है। डीएस ग्रुप की लगातार सफलता के पीछे उसका स्वाद और खुशबू के क्षेत्र में दशकों का अनुभव, उपभोक्ता व्यवहार की गहरी समझ और देशभर में फैला मजबूत वितरण नेटवर्क है। समूह के पास 150 से अधिक सुपर स्टॉकिस्ट, 5000+ वितरक, और 15 लाख से अधिक रिटेल दुकानों तक सीधी और 35 लाख से अधिक तक अप्रत्यक्ष पहुंच है।

अवैध निर्माण के खिलाफ शिकायत के बावजूद नही हो रही कार्रवाई

शिकायत कर्ता सुधाबाई अमरण उपोषण करने पर मजबूर

कल्याण(उत्तरशक्ति)। अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर कार्रवाई को लेकर कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन वास्तविकता में सच्चाई कुछ और ही है। उदाहरण के तौर पर टिटवाला अ वार्ड कार्यालय के क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ शिकायत के बावजूद महापालिका इस इमारत पर कार्रवाई नहीं कर रही ऐसा शिकायत करने वाले ने पालिका प्रशासन पर गम्भीर आरोप किया है।

आंबिवली के वडवली की निवासी सुधाबाई पांडुरंग तिवारी ने एक अवैध निर्माण को लेकर केडीएमसी अनधिकृत बांधकाम विभाग के उपायुक्त को लिखित शिकायत की थी। उनका आरोप है कि आंबिवली के यादव नगर में सर्वे नंबर 46/5A और 46/6ब की जमीन पर प्रशांत पाटील द्वारा आरसीसी एवं चाल का निर्माणकार्य अवैध रूप से किया है। लिहाज इस अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें जमीदोज करने की मांग सुधाबाई तिवारी ने की। सुधाबाई की शिकायत का संज्ञान लेते हुए मनपा प्रशासन ने प्रशांत पाटील को नोटिस जारी कर कागजात पेश करने को कहा था। लेकिन दबाव के चलते मनपा प्रशासन अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने से टालमटोल कर रहा है। उनका कहना है कि मनपा की नोटिस महज एक दिखावा था।

संबंधित अधिकारी इस मामले का उचित संज्ञान नहीं ले रहे हैं। सुधाबाई का यह भी कहना है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो, मजबूरन उन्हें मनपा के खिलाफ आमरण उपोषण करने पर मजबूर होना पड़ेगा।

पहलगाम में निर्दोष हिंदुओं की हत्या निंदनीय है: के के मिश्रा बच्चन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा की गई हिंदू पर्यटकों की टारगेट किलिंग से पूरे देश में आक्रोश फैल गया है वडाला पश्चिम के समाज सेवक ओडिसी क्रेडिट सोसाइटी के अध्यक्ष के के मिश्रा बच्चन ने कहा कि आतंकवादियों ने जिस तरह से नाम और धर्म पूछ कर पर्यटकों को गोली मारी है उससे साफ हो गया की घटना के पीछे आतंकवादियों के सरगना पाकिस्तान का हाथ है । अमेरिकी उपराष्ट्रपति के भारत में आगमन के समय आतंकियों द्वारा निर्दोष हिंदुओं की हत्या कर दी गई अब आतंकियों का पक्का इलाज करना चाहिए साथ ही साथ देश के भीतर बैठे आतंकियों का भी सफाया किया जाना चाहिए। के के मिश्रा बच्चन ने कहा कि मोदी और अमित शाह पर देशवासियों का पूरा भरोसा और विश्वास है कि वे आतंकियों और उनके आका को ऐसी सबक सिखाएंगे जो कि सात जन्म तक भूल नहीं पाएंगे । इसके साथ ही साथ देश में बैठे आतंकियों और गद्दारों का भी सफाया किया जाना चाहिए। शहीद हुए सभी हिन्दूओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

उत्तर भारतीय संगम का रजत जयंती समारोह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड की सामाजिक,सांस्कृतिक व धार्मिक संस्था उत्तर भारतीय संगम के स्थापना के 25 वर्ष पुर्ण होने पर रजत जयंती समारोह का आयोजन रविवार दिनांक 27.4.2025 को शाम 6 बजे से जी.एस.शेट्टी सेंट्रल हॉल, नेताजी सुभाष रोड, जवाहर टाकीज के पास, मुलुंड प.पर किया गया है। संगम के अध्यक्ष रमाशंकर तिवारी एवम संयोजक डॉ.बाबूलाल सिंह ने बतलाया है कि इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रूप में अबू आसीम आजमी (अध्यक्ष समाजवादी पार्टी ,विधायक), कांग्रेस नेता राकेश शेट्टी,समाजवादी पार्टी के नेता राजेन्द्र बहादुर यादव,दिनेश यादव, रफीक सैय्यद, बृजनाथ यादव उपस्थित रहेंगे। सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक राजकुमार यदुवंशी गीत संगीत का मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। सह संयोजक डॉ.सचिन सिंह,अब्दुल जे.खान, अभयराजयादव, अनिल यादव, के.डी.यादव, बॉबी शर्मा एवं अनिरुद्ध दूबे ने सभी से इस अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

हिंदुओं की तमाम जातियों की एकजुटता से ही तोड़ी जा सकती है आतंकवाद की कमर: भवानजी

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ हिंदुवादी भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने कहा है कि हिन्दुओं की तमाम जातियों की एकजुटता से ही आतंकवादियों की कमर तोड़ी जा सकती है। आज एक बयान में उन्होंने कहा कि मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, फिर क्यों मजहब पूछकर गोली मारी गई,..? इंसानियत के नाम पर धब्बा बन गए वो लोग,जो खुदा के नाम पर खून बहा गए। आतंकवादियों ने हमले के वक्त ना तो किसी की जाति या भाषा पूछी और ना ही प्रांत। इसलिए जाति, भाषा और प्रांत का भेद मिटाकर एकजुट होना होगा। तभी हम आतंकवादियों का, और अन्य धर्मियों से नफरत करने वालों का और काफिर समझने वालों का सही तरीके से मुकाबला कर पाएंगे । भवानजी ने इस अवसर पर हिंदुओं की तमाम जातियां एक जुट हो और बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहोगे तो सेफ रहोगे का नारा बुलंद किया।

उन्होंने आगे कहा कि जिन लोगों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों को मारा है उन्हें ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि उसे लोग सदियों तक याद रखें और गलत करने के बारे में सौ बार सोचें। उन्होंने कहा कि देश के सभी लोग दोषियों के खिलाफ ऐक्शन चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सारा मतभेद भूलकर मोदी को पूरी ताकत से सपोर्ट करना चाहिए ताकि वे आतंक के आकाओं और देश के गद्दारों एवं कट्टरपंथियों को नेस्तनाबूद कर सकें। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर जनसभा को संबोधित किया. पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी का ये पहला संबोधन था। इस दौरान मोदी ने पहले पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी फिर भाषण की शुरूआत की. पीएम मोदी ने सख्त अंदाज में कहा कि पहलगाम में जिन आतंकियों ने बेकसूरों को मारा है और जिन लोगों ने इसकी साजिश रची है उनको कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है पूरा देश व्यथित है. सभी पीड़ित परिवारों के दुख में पूरा देश साथ खड़ा है ।इस हमले में किसी ने अपना बेटा, भाई, पति मारा गया। पीएम मोदी ने कहा कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने ये हमला किया है उन आतंकियों को, इस हमले की साजिश करने वालों उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी और मिलकर रहेगी. आतंक को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है. पीएम मोदी ने कहा कि इंडिया के स्प्रिट को आतंकवाद से नहीं तोड़ा जा सकता है. आतंकियों की बची कुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है ।140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति आतंक आकाओं की कमर तोड़ कर रहेगी ।

पाकिस्तान के खिलाफ मनसे का जोरदार विरोध प्रदर्शन, बोईसर में फूंका गया झंडा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कश्मीर में हुए कायराना आतंकी हमले में निर्दोष भारतीय नागरिकों की शहादत को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की ओर से पालघर जिले के बोईसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और पाकिस्तान के झंडे को जलाकर आतंकवाद के खिलाफ गुस्सा जताया गया।

इस विरोध प्रदर्शन में मनसे विद्यार्थी सेना पालघर जिला अध्यक्ष धीरज गावड, कामगार नेता जालीम तडवी, विभाग अध्यक्ष राजू आखाडे, पालघर शहर संघटक उदय माने, मनसे विद्यार्थी सेना उपजिला अध्यक्ष विजय गांगुर्डे, मनसे महिला सेना की सौ. रेश्मा ताई जगताप, मनसे उपतालुका अध्यक्ष सत्यम मिश्रा, महाराष्ट्र सैनिक तन्मय संखे, उपविभाग अध्यक्ष पवन गुप्ता, शाखा अध्यक्ष पंकज चौरसिया, मोनू शर्मा व पियूष धोडी समेत अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने एकजुट होकर आतंकवाद और पाकिस्तान की नापाक हरकतों के खिलाफ आवाज उठाई और सरकार से सख्त कार्यवाही की मांग की।

मणिपाल हॉस्पिटल्स ने डिसीज्ड ऑर्गन और टिशू डोनेशन ईस्ट रीजन की शुरूआत की

मुंबई/मणिपाल (उत्तरशक्ति)। मणिपाल हॉस्पिटल्स की एक अग्रणी पहल मणिपाल ऑर्गन शेयरिंग एंड ट्रांसप्लांट ने आज मेडिका सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल (जो मणिपाल हॉस्पिटल्स नेटवर्क की एक इकाई है) में डिसीज्ड ऑर्गन और टिशू डोनेशन के पूर्वी भारत चैप्टर का शुभारंभ किया। इस आयोजन में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें प्रो. (डॉ.) मणिमय बंद्योपाध्याय, निदेशक, रीजनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन एवं निदेशक, IPGMER, प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध नेओगी, SOTTO नोडल ऑफिसर -स्वास्थ्य भवन, प्रो. (डॉ.) देबांसु सरकार, जॉइंट डायरेक्टर ROTTO, डॉ. (कर्नल) अवनीश सेठ, वीएसएम, कंट्री हेड – MOST, डॉ. अर्पिता रे चौधुरी (लाहिड़ी), वरिष्ठ सलाहकार- नेफ्रोलॉजी एवं ट्रांसप्लांट, अध्यक्ष - ISOT, और मणिपाल हॉस्पिटल, मुकुंदपुर की सलाहकार, डॉ. शुगोता चक्रवर्ती, रीजनल हेड - मेडिकल सर्विसेस, ईस्ट, और डॉ. अयनाभ देबगुप्ता, रीजनल सीओओ, मणिपाल हॉस्पिटल्स - ईस्ट शामिल थे। पूर्वी भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को एक सामूहिक कदम में बदल दिया।

टैलीप्राइम 6.0 के जरिए टैली सॉल्यूशंस ने जोड़ा बैंकिंग से सीधा रिश्ता

छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय कामकाज हुआ और भी आसान

ठाणे (उत्तरशक्ति)। देश की जानी-मानी बिजनेस ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर कंपनी टैली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपना नया संस्करण टैलीप्राइम 6.0 लॉन्च किया है। यह नया वर्जन खासतौर पर छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे जुड़ी हुई बैंकिंग सुविधाओं के जरिए अपने वित्तीय कामकाज को और आसान और सुविधाजनक बना सकें। यह नया अपडेट बैंक मिलान, बैंकिंग प्रक्रियाओं के ऑटोमेशन और वित्तीय प्रबंधन को पहले से बेहतर बनाता है। ई-इनवॉइस, ई-वे बिल और जीएसटी अनुपालन जैसी डिजिटल सेवाओं में अपनी विशेषज्ञता के बाद अब टैली ने बैंकिंग से जुड़ी सुविधाएं भी जोड़ दी हैं, जिससे छोटे कारोबार और अधिक सशक्त बन सकें। यह नया संस्करण टैली की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है, जिसके तहत वह व्यवसायों को उनके पूरे कामकाजी तंत्र से जोड़ने और उन्हें पहले से कहीं ज्यादा आसान तरीके से काम करने में मदद देने के लिए लगातार नए समाधान ला रही है।

एमएसएमई मंत्रालय के अनुसार, महाराष्ट्र में देश के सबसे अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) स्थित हैं। टैली अपने नए उत्पाद लॉन्च के माध्यम से राज्य के व्यापक एमएसएमई इकोसिस्टम को सहयोग देना चाहता है। देश के कुल एमएसएमई उत्पादन में महाराष्ट्र की भागीदारी लगभग 13% है, जो रोजगार सृजन, उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के साथ साझेदारी के तहत सुरक्षित लॉगिन और तात्कालिक जुड़ाव की सुविधा मिलती है। इससे कारोबारी टैली के भीतर ही अपना बैंक बैलेंस और लेनदेन की ताजा जानकारी देख सकते हैं। इससे उन्हें अपने कार्यशील पूंजी की स्थिति का सही अंदाजा मिलता है और वे वित्तीय फैसले ज्यादा सोच-समझकर ले सकते हैं। टैली में अब भुगतान करना, लेनदेन का तुरंत मिलान करना और बैंक बैलेंस पर नजर रखना भी बेहद आसान हो गया है।

टैलीप्राइम 6.0 लॉन्च करते हुए, टैली सॉल्यूशंस के इंडिया बिजनेस प्रमुख जॉयस रे ने कहा, टैलीप्राइम 6.0 को छोटे और मध्यम व्यवसायों के वित्तीय कार्यों को सरल और सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस प्लेटफॉर्म में बैंकिंग को भी जोड़ा गया है। लाइव बैंक बैलेंस, स्वचालित मिलान और रियल टाइम ट्रांजैक्शन अपडेट जैसी सुविधाओं के माध्यम से, अब व्यवसाय बिना सिस्टम बदले अपने वित्तीय कामकाज का प्रबंधन कर सकते हैं।

जिससे उनका 30 से 50 प्रतिशत तक समय बचता है। यह नया संस्करण एसएमई को अधिक फुर्तीले ढंग से काम करने, समय बचाने और अपने संचालन पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखने में मदद करता है। इसमें कार्यशील पूंजी के बेहतर प्रबंधन, जीएसटी अनुपालन को सुदृढ़ बनाने हेतु कनेक्टेड ई-इनवॉइसिंग और ई-वे बिल जनरेशन जैसी क्षमताएं भी जोड़ी गई हैं। इन सभी सुविधाओं का उद्देश्य व्यापार में जटिलताओं को कम करना और उद्यमियों को विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता प्रदान करना है।

ईद मिलन एवं नवनियुक्त न्यायाधीशों का अभिनंदन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अचीवर्स बैंक्वेट हाल नं. 2, पुलिस मुख्यालय के पास सोलापुर में हाल ही में ईद मिलन एवं नवनियुक्त न्यायाधीशों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायिक समुदाय, वरिष्ठ अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारीगण तथा गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह की शुरूआत पारंपरिक अंदाज में ह्यईद मुबारकह्न की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान से हुई। ईद मिलन के इस पावन अवसर पर सभी समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इसके उपरांत हाल ही में नियुक्त न्यायाधीशों का पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में न्यायपालिका की महत्ता और न्यायाधीशों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने नवनियुक्त न्यायाधीशों को उनके उत्तरदायित्वों की शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे निष्पक्ष एवं न्यायोचित निर्णयों से समाज में न्याय की स्थापना करेंगे। इस समारोह में कार्यक्रम अध्यक्ष माननीय श्री मनोज शर्मा (मुख्य, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सोलापुर), पद्मश्री उज्जवल निकम (विशेष लोक अभियोजक, महाराष्ट्र राज्य), अधिवक्ता अनिता हवालदार और मुजरिन जेलर जज पद के लिए परीक्षा पास की हैं। इन दोनों को सम्मानित किया गया। ॲड विजय शिंदे (अध्यक्ष सोलापुर बार एसोसिएशन सोलापुर), अधिवक्ता खनीब वकील (अध्यक्ष चैरिटी कमिश्नर, सोलापुर), दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, अधिवक्ता असीम बांगी, अधिवक्ता परवेझ कुरनुरकर, अधिवक्ता शाहबाज दिलशाद खान समारोह उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

शाही अटाला मस्जिद के बाहर नमाजियों ने पहलगाम के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पहलगाम में मारे गए शहीदों को आज जुमे की नमाज के बाद शाही अटाला मस्जिद के बाहर ताजीयती जलसे में श्रृद्धांजलि दी गयी। और

भारत सरकार से मांग की गयी की दहशतगर्दो के साथ कोई भी रियायत ना की जाये।कार्यक्रम संयोजक मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने कहा की पहलगाम की घटना से पूरी दुनिया के अमन पसंद लोग मर्माहत हैं इसलिए भारत सरकार को पहल करते हुए पूरी दुनिया से दहशत गर्दी खत्म करने के लिए पहल करनी चाहिए।वरिष्ठ नेता रुखसार अहमद ने इसे कायरता पूर्ण घटना करार देते हुए कहा की इस कृत्य की जितनी निंदा की जाये वह कम है। सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद आसिम ने कहा की यह कृत्य माफी के काबिल नहीं है इसकी हम सब मुखाल्फत करते हैं।समाज सेवी एजाज अहमद ने कहा की पूरा देश इस वक्त एक है सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ा है इसलिए सरकार को कोई ठोस फैसला इनके खिलाफ लेना चाहिए। आखिर में मौलाना आफाक ने दुआ के जरिये प्रोग्राम को खत्म कराते हुए मुल्क में भाई चारगी मोहब्बत बनी रहे और दहशतगर्द का खात्मा मुल्क से हो इसके लिए खास तौर से दुआ कराई गयी। इस मौके पर शाही अटाला मस्जिद के अध्यक्ष जावेद महमूद, सपा महासचिव आरिफ हबीब, अब्दुल्लाह सिद्दीकी, मेराज अहमद, साकिब अहमद, शाद, साजिद सिद्दीकी, लाल मोहम्मद बब्लु समेत सैकड़ो की संख्या में नमाजी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर कराया बलवा ड्रिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा शुक्रवार साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर कराया गया बलवा ड्रिल। आज दिनांक-25.04.2025 को पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर परेड ग्राउंड पर शुक्रवार के परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया।तत्पश्चात जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी तथा बलवा ड्रिल का अभ्यास कराकर बलवा ड्रिल के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के दोषियों को कड़ी सजा दी जाये: सै.अमानत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के युवा समाजसेवी सै.अमानत ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।अमानत ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह कायराना हमला हिंदुस्तान को कमजोर नहीं कर सकता।आतंकवादी हमें डराना चाहते हैं ताकि कश्मीर में अशांति को बढ़ावा दिया जा सके। निश्चित रूप से हमारी सेना और सरकार इस हमले के दोषियों से कड़ा बदला लेगी। उन्होंने कहा कि अगर यह साबित होता है कि इस हमले में पाकिस्तान का हाथ है तो उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए।' अमानत ने कहा कि हम प्रार्थना करते हैं कि इस हमले में जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।अमानत ने अपने बयान में कहा कि आतंकवाद को खत्म करने के लिए दुनिया को दोहरे मापदंड छोड़ने होंगे। गाजा में इजरायल जो कर रहा है वह भी खुला आतंकवाद है और उसकी भी निंदा की जानी चाहिए। नेतन्याहू छोटे छोटे मासूम बच्चों का हत्यारा है, उसे भी आतंकवादी माना जाए।

ड्रैगन फ्रूट की खेती पर अब हुआ अनुदान 2.70 लाख

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद मे नवाचार की राह पर कदम बढ़ाते हुए ड्रैगनफ्रूट की खेती शुरू की गयी है। ड्रैगन फ्रूट को इजराइल एवं वियतनाम जैसे देशों में उगाई जाने वाले इस फसल को जनपद के विकासखंड मछलीशहर, बदलापुर, मुफ्तीगंज के किसानों ने अपनाया है इस फसल मे कम लागत व अधिक मुनाफा होने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अधिक होती है।ड्रैगनफ्रूट के पौधे को आवारा पशु भी नुकसान नही पहुँचाते है।ड्रैगन के पौधे एक बार लगाने से 25 से 30 साल तक उत्पादन मिलता है यह इम्यूनिटी बूस्टर का अच्छा विकल्प माना जाता है। एक ड्रैगनफ्रूट की कीमत बाजार मे 100 से 150 रू0 तक पहुंचती है मछलीशहर ब्लाक के ग्राम घिसुआखुर्द के प्रतीक कुमार गुप्ता, विकासखंड बदलापुर ग्राम तियरा के कृषक तिलकधारी और विकासखंड मुफ्तीगंज ग्राम पसेवा के कृषक मोर्टसन मेसी एवं विकासखंड बदलापुर के ग्राम तियरा के किसान बृजेश यादव ने 1195 लाल गुदा वाले पौध लगाकर जनपद मे नवाचार का उदाहरण पेश किया है। उन्होने गुजरात से पौध खरीदी और अप्रैल मे यह खेती शुरू किया। बृजेश यादव पिछले 1 वर्षो से ड्रैगनफ्रूट की खेती कर रहे है। इसके अतिरिक्त अन्य कई किसान प्रयोग के तौर पर छोटे पैमाने पर ड्रैगनफ्रूट लगा रहें है इस फसल से जून से लेकर दिसम्बर तक उत्पादन होता है। ड्रैगनफ्रूट की खेती कम लागत और अधिक मुनाफे का उदाहरण बन रही है। कमलम की खेती हेतु, उद्यान विभाग एक हेक्टेयर पर 30 हजार रुपए का अनुदान भी दे रहा था ड्रैगेनफ्रूट की खेती पर अधिक लागत देखते हुए केन्द्र सरकार ने 2025 से सब्सिडी की राशि बढ़ा कर प्रति प्रति हे0 2.70 लाख रू0 कर दिये है प्रति पिलर पर 4 पौधे लगाये जाते है इस पर करीब 800 सौ रुपए खर्च आता है तथा 15 से 20 टन प्रति हे0 फल निकलता है। ड्रैगनफ्रूट की खेती व्यवसायिक बन रही है क्योंकि मार्केट मे इसका अच्छा दाम मिलता है जिससे ड्रैगनफ्रूट की खेती करके किसान भाई अच्छा मुनाफा कमा सकते है इससे ना केवल फल बल्कि इसकी कटिंग करके ड्रैगनफ्रूट की नर्सरी भी तैयार कर सकते है यह पहल अन्य कृषको को भी इस फसल के तरफ आकर्षित एवं प्रेरित कर रही है। इच्छुक कृषक आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी व फोटो लेकर जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय मे प्रभारी मिशन जशपाल सिंह मों नं0-9455112600 से सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते है।

ख्याति सिंह ने किया काशी को गौरवान्वित, वाराणसी में प्रथम और प्रदेश में बनाया टॉप 10 में स्थान

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल परीक्षा का परिणाम आते ही छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। इस बार कक्षा 10वीं की छात्रा ख्याति सिंह ने जिले में टॉप कर नया कीर्तिमान रच दिया है। 96.67% अंक पाकर ख्याति ने न सिर्फ वाराणसी में प्रथम स्थान हासिल किया, बल्कि पूरे प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। खुशहाल नगर निवासी ख्याति सिंह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता संजय कुमार सिंह, एक निजी फर्म में अकाउंटेंट हैं, जबकि उनकी मां कंचन सिंह एक गृहिणी हैं। ख्याति अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं, और उन्होंने अपने माता-पिता तथा स्कूल के चेयरमैन डॉ ए.के. सिंह के मार्गदर्शन और आशीर्वाद को अपनी सफलता का मूल मंत्र बताया है।

व्यापार मंडल ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उद्योग व्यापार मंडल ने गल्ला मंडी स्थित कैंप कार्यालय पर पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निहत्थे पर्यटकों की हत्या करने पर इस अमानवीय कार्य के लिए व्यापार मंडल के पदाधिकारी ने घोर निंदा किया।जिला अध्यक्ष दिनेश टंडन ने आतंकवादियों के इस कार्य को कायरतापूर्ण, क्षमा नहीं करने योग्य और घोर निंदनीय कार्य बताया और उम्मीद जताया कि जल्द से जल्द इन आतंकवादियों को भारत सरकार और हमारी सेना कठोर सजा देगी।नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों के इस कार्य को मानवता को शर्मसार करने वाली घटना बताया।प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने इस अमानवीय कार्य की निंदा करते हुए सरकार से आतंकवादियों पर जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई करने का आग्रह किया।श्रद्धांजलि सभा में मनोज कुमार साहू, मुन्ना लाल अग्रहरी, विजय जायसवाल, ज्ञानेंद्र साहू, धर्मेंद्र अग्रहरी, योगेश साहू, शिवम बरनवाल, चेतन टंडन, संतोष साहू बच्चा, दीपक गुप्ता, रितेश साहू, राकेश जायसवाल, अमर जौहरी,कृष्णा सेठ, वीरेंद्र गुप्ता, ताऊजी आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे संचालन नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने किया आभार नगर महामंत्री मनोज कुमार साहू ने व्यक्त किया।

सराहनीय रहा मिर्जा अनवर बेग इण्टर कॉलेज का रिजल्ट

छात्राओं का रहा दबदबा, मारी बाजी

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर- प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शुक्रवार को 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। इस वर्ष छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए। परिणामों के अनुसार, कुल मिलाकर छात्राओं का प्रदर्शन एक बार फिर से छात्रों से बेहतर रहा। खेतासराय-शाहगंज मुख्य मार्ग पर स्थित मिर्जा अनवर बेग इण्टर कॉलेज उसरहटा में 10वीं कक्षा में 86.66% विद्यार्थी सफल हुए, वहीं 12वीं कक्षा का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 72.55% रहा। लड़कियों ने दोनों ही वर्गों में टॉप स्थानों पर कब्जा जमाया और मेरिट लिस्ट में अपना दबदबा कायम रखा।कॉलेज के मेरिट लिस्ट में 10वीं कक्षा में आदिला शेख ने 82.20% इकरा जावेद ने 78.20% व अल्फी जहाँगीर 77.20% के साथ क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। जबकि 12वीं विज्ञान वर्ग से उमेरा सुहेल ने 81% साबरीन बानो ने 78.60% व नेदा ने 76% के साथ क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल की जबकि कला वर्ग से अयान खान ने 76%, बुशरा उस्मान ने 74.60% व इरम फात्मा ने 72.20% हासिल कर क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही।वही इमरानगंज स्थित नूरजहाँ गर्ल्स हॉयर सेकेंड्री स्कूल की 10वीं कक्षा में समीरा ने 79% व शाहजीन शेख ने 76.60% प्राप्त किया। कॉलेज परिवार ने कक्षा में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को माला पहनाकर मिठाई खिलाया और सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी बिद्यालय के प्रबंधक परवेज आलम भुट्टू ने कहा कि यह मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। साथ ही उन्होंने असफल विद्यार्थियों से निराश न होने की अपील करते हुए कहा कि आगे और भी अवसर मिलेंगे।

बीएचयू के डेयरी में कर्मचारी ने फंदे से लटककर दी जान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू के डेयरी में एक कर्मचारी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की तो मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ। मामले को लेकर पुलिस जांच में जुटी है। दिलीप राय (41) ने शुक्रवार की सुबह फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। बताया जा रहा है कि पाइल्स समेत कई स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह तनाव में था। दिलीप दैनिक वेतन भोगी के तौर पर काम करता था। वह रोहनिया स्थित कंदवा अमरा खैरा चक के निवासी था। साथ में पत्नी और एक बच्चा रहता था।

भीमराव अंबेडकर का नाम आते ही भारतीय संविधान का जिक्र अपने आप आ जाता है: शंकर गिरी

*** बाबा साहब ऐसे धर्म को मानते थे जो स्वतंत्रता, समानता और आपसी भाईचारा सिखाता है: रमेश सिंह**

*** बाबा साहेब का मानना था कि जीवन लंबा होने के बजाय महान होना चाहिए: पुष्पराज सिंह**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर की संगोष्ठी जिला कार्यालय पर डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के याद मे आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की और मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शंकर गिरी और विशिष्ट अतिथि के रूप मे प्रदेश पंचायत प्रकोष्ठ के संयोजक रमेश सिंह उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धासुमन अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्य अतिथि शंकर गिरी ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का जीवन संघर्ष और सफलता की ऐसी अद्भुत मिसाल है। जो शायद ही कहीं और देखने को मिले डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का नाम आते ही भारतीय संविधान का जिक्र अपने आप आ जाता है। सारी दुनिया आमतौर पर उन्हें या तो भारतीय संविधान के निर्माण में अहम भूमिका के नाते याद करती है या फिर भेदभाव वाली जाति व्यवस्था की प्रखर आलोचना करने और सामाजिक गैर बराबरी के खिलाफ आवाज उठाने वाले योद्धा के तौर पर जाने जाते है। विशिष्ट अतिथि रमेश सिंह ने कहा कि बाबा साहब ऐसे धर्म को मानते थे जो स्वतंत्रता, समानता और आपसी भाईचारा सिखाता है। ऐसे हमारे प्रेरणा स्त्रोत थे बाबा साहब जिनको आज पूरी दुनिया याद कर रही है। उन्होंने लाखों युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संगोष्ठी में जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि अंबेडकर साहब की एक बात हमेशा उनके जेहन में होती है कि वह कहते थे कि यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्मो के शास्त्रों की संप्रभूता का अंत होना चाहिए। बाबा साहेब का मानना था कि जीवन लंबा होने के बजाय महान होना चाहिए। उक्त अवसर पर राकेश वर्मा, मनोरमा मौर्य, विजय लक्ष्मी साहू सिद्दार्थ सिंह साहित तमाम बुद्धजीवी वर्ग उपस्थित रहा।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर 1 मई को देंगे बीएसए कार्यालय पर शिक्षक धरना

शिक्षक समस्याओं के निराकरण के लिए सिर्फ संघर्ष एक मात्र विकल्प: अरविंद

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षकों की लंबित समस्याओं एवं मांगो को लेकर प्रदेश कार्यसमिति के निर्णयोपरांत उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बीएसए कार्यालय पर 1 मई 2025 को धरना प्रदर्शन करेगा और इन समस्याओं के अविलंब निराकरण हेतु जिलाधिकारी जौनपुर के माध्यम से उसी दिन माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भी भेजेगा । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिला अध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने बताया कि इससे संबंधित उपर्युक्त विषयक सूचना आज जिला प्रशासन को दे दी गई है ।जिसमें 01 मई 2025 को प्रदेश के सभी बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की भांति जौनपुर के जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय पर 10 बजे से 2 बजे तक शिक्षकों द्वारा अवकाश लेकर धरना दिया जाएगा ।बेसिक शिक्षकों के 14 सूत्रीय मांगों में मुख्य रूप से 2004 के बाद नियुक्त सभी शिक्षकों की पुरानी पेंशन की बहाली , मेमोरेंडम के बावजूद 2004 विशिष्ट बीटीसी बैच एवं बीटीसी शिक्षकों को पुरानी पेंशन की बहाली , वर्षों से लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया को शीघ्र संपादित करना, सभी प्रकार के अंतर्जनपदीय एवं अंतः जनपदीय स्थानांतरण , सभी शिक्षकों के लिए सामूहिक बीमा 10 लाख करना , विद्यालय संचालन अवधि टाइम एवं मोशन के अनुसार ग्रीष्म कालीन प्रातः 7:00 बजे से 12:00 तक कार्यअवधि (5 घंटे किया जाना) , विकलांग शिक्षको हेतु दिव्यांग वाहन भत्ता हेतु आदेश निर्गत करना आदि मांगे शामिल है। जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों की समस्याएं काफी दिनों से लंबित है, जिसका निराकरण न होने से शिक्षक आक्रोशित है । इसको लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ के पास संघर्ष के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है । शिक्षकों ने आगामी 1 मई को बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन का निर्णय लिया है । जिला मंत्री रवि चंद्र यादव ने कहा कि 1 मई 2025 को सभी ब्लॉकों के शिक्षक पदाधिकारी अपने ब्लॉक के बैनर के साथ सैकड़ों की संख्या में धरना में शामिल होकर अपनी आवाज को बुलंद करें। कोषाध्यक्ष रामदुलार ने कहा कि शिक्षकों के हित में संघर्ष जारी रहेगा जब तक कि मांगे नहीं मानी जाती है। शिक्षको के प्रति सरकार अपनी हठधर्मिता छोड़े ।इस अवसर पर समस्त परिषदीय शिक्षकों से अपील की गई कि वे अपनी मांगों के लिए अधिक से अधिक संख्या में अवकाश लेकर धरना में पहुंचे ।

हादसे में टेम्पों खांई में गिरी, सात घायल, अर्टिका चालक वाहन छोड़ कर फरार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कुत्ते को बचाने के चक्कर में अनियत्रित हुई अर्टिका ने टेम्पो को टक्कर मार दिया जिससे टेम्पो खांई में गिर गयी। इस हादसे में में 7 लोग घायल हो गये जबकि तीन की हालत गंभीर बनी है। अर्टिका चालक वाहन छोड़ कर फरार हो गया। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के बलुआघाट के पास शुक्रवार की सुबह कुत्ता बचाने के चक्कर में अर्टिका अनियंत्रित हो गई और सामने से टेम्पो को जोरदार टक्कर मार दी और टेम्पो गहरी खाई में गिर गई जिसमें 7 लोग बुरी तरह से घायल हो गए और 3 की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों में प्रदीप यादव 40 वर्ष संदीप 35 वर्ष राजकुमारी 32 वर्ष सरिता 14 वर्ष युवराज 8 वर्ष दर्पण 10 वर्ष शीतल 12 वर्ष यह सभी घायल गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पचोरा गांव के निवासी हैं। यह पूरा परिवार मुंबई से वाराणसी ट्रेन से आया और वाराणसी से रोडवेज से बस से जौनपुर रोडवेज आया रोडवेज से टेम्पो पकड़ा और अपने ग्राम पचोरा के लिए निकाला था जैसे ही टेम्पो रिवरव्यू होटल बलुआघाट के पास पहुंची दोनो की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें ऑटो गहरी खाई में गिर गई और चीख पुकार मचने लगी, लोगों के द्वारा एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया जहां पर घायलों का उपचार हो रहा है।

जेसीआई जौनपुर ने दिव्यांग स्कूल बक्शा को लिया गोंद

बक्शा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)।आज अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था जेसीआई जौनपुर के जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव के द्वारा हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा जौनपुर को गोंद लिया गया मुख्य अतिथि के रूप में पीजेडपी आलोक सेठ जी रहे साथ में पूर्व अध्यक्ष संजय गुप्ता, जेसी रंजीत सिंह सोनू जेसी डॉ प्रमोद कुमार सैनी रहे कार्यक्रम का संचालन सचिव जेसी सतीश कुमार जयसवाल ने किया मुख्य अतिथि आलोक सेठ ने दिव्यांग बच्चों को बताया कि अपने आपको दिव्यांग ना समझे आपके अन्दर अनेक प्रतिभाएं छिपी हुई हैं मेहनत करिए सामान्य से आगे जा सकते हैं सफल हुए कई दिव्यांगजनों का उदाहरण भी दिए जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि ऐसे बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाना चाहिए जिससे ये भी अपना जीवन यापन अच्छे से कर सके इस संस्थान के प्रबन्धक विनोद कुमार माली से कहा है कि बच्चों को भोजन कपड़ा स्वास्थ परिक्षण ,उपकरण आदि सुविधा जेसीआई के द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा आज से इस संस्था को जेसीआई गोंद ले लिया गया है अब जेसीआई द्वारा हर सुविधा दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराया जाएगा मौके पर संस्थान के प्रभारी प्रिंसिपल जितेंद्र प्रताप मौर्या, स्टॉप संदीप यादव , प्रदीप यादव, मनोज माली, सोनम यादव, मंजू प्रजापति, पूनम उपाध्याय, प्रिया उपाध्याय, भीमराज दिव्यांग बच्चे व उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

मीराब ने 91 प्रतिशत अंक पाकर बनी क्षेत्र की टॉपर

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के सीधा जैगहा गांव निवासी मीराब ने हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मीरब डॉक्टर वकील नजीर इण्टर कॉलेज मानीकलां की छात्रा है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता से न सिर्फ परिवार, बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। मीराब की मेहनत, लगन और अनुशासन का ही परिणाम है कि उसने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिता महताब आलम ने बेटी की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, विद्यालय प्रशासन और मैनेजर डा0 वकील अहमद व शिक्षकों ने भी मीराब को बधाई दी और उसके उज्ज्वल करियर की शुभकामनाएं दीं। मीराब की इस सफलता से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनको बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का सिलसिला जारी है। सफलता के बाद एक सवाल के जवाब में मीरब ने बताया कि वह मेहनत से पढ़ाई करके एक अच्छा डॉक्टर बनकर समाज का सेवा करना चाहती है।

उधार गुटखा न देने पर पूरी दुकान ही फूंक दी, पेट्रोल छिड़का और लगा दी आग

आजमगढ़। कप्तानगंज थाना के चेवता बाजार में उधार गुटखा न देने पर दबंग ने मंगलवार की रात दुकान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। जिससे किराना और पान सामग्री व सैलून धू-धू कर जल गया। इस दौरान दुकान में रखी 13 हजार रुपये नकदी सहित दो लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर राख हो गया। बुधवार की सुबह बाजार के लोग दुकान बंद कर थाना पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कप्तानगंज थाना के चेवता गांव निवासी राजेश चौरसिया की चेवता बाजार में किराना और पान मसाला की दुकान है। पास में दिनेश शर्मा का सैलून है। मंगलवार को गांव का एक दबंग व्यक्ति राजेश चौरसिया की दुकान पर पहुंचा और उनसे उधार गुटखा मांगने लगा। दुकानदार ने कहा कि पहले का उधार दें, इसके बाद गुटखा मिलेगा। इस बात को लेकर दुकानदार ने उधार समान नहीं दिया तो दबंग व्यक्ति भड़क उठा और विवाद शुरू कर दिया। दबंग व्यक्ति ने जाते-जाते दुकान में आग लगाने की धमकी दी। प्रतिदिन की तरह रात में राजेश चौरसिया दुकान बंद कर घर पहुंचे तो दबंग ने दुकान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। कुछ ही देर में देखते-देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। पास में दिनेश शर्मा की दुकान में भी आग पकड़ लिया। दोनों दुकानें धू-धू कर जलने लगीं। बाजार के लेग आग बुझाने का प्रयास करते की पूरी दुकान जल कर राख हो गई। नाई की दुकान में रखा 13,000 रुपये नकद जल गए। दुकान में जले नोट दुकान में बिखरे हुए थे। किराना और पान मसाला कारोबारी राजेश का दो लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। घटना को लेकर बुधवार को बाजार के लोग आक्रोशित हो गए। दुकानें बंद कर दर्जनों की संख्या दुकानदार कप्तानगंज थाना पहुंच गए। आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। कप्तानगंज थानाध्यक्ष विवेक पांडेय ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है। मामले की जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

किसान जल्द करा लें क्रॉप इंश्योरेंस

आजमगढ़। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ किसानों को जागरूकता के अभाव में समय से नहीं मिल पाता है। जिले में लगभग आठ लाख, 50 हजार पंजीकृत किसान हैं। बावजूद इसके रबी सत्र 2024-25 में 35 हजार, 832 किसानों ने बीमा कराया है। प्रति हेक्टेयर 1,122 रुपये की दर से 47 लाख, 50 हजार रुपये बीमा की राशि जमा की है, जबकि खरीफ सत्र 2023-24 में 14,900 किसानों ने फसल बीमा कराया था। 70005.33 हेक्टेयर फसल का नुकसान हुआ था, जिसमें तीन हजार, 434 किसानों को एक करोड़, 45 लाख रुपये बीमित धनराशि मिली थी। रबी सत्र में 2023-24 में 15 हजार, 861 किसानों ने फसल बीमा कराया था। जिसका 33 लाख, 69 हजार रुपये बीमा राशि जमा की थी। 600 किसानों को 18 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अब तकनीक आधारित उपज आकलन प्रणाली (एस-टेक) को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिससे किसानों को परेशान नहीं होना पड़े। इसके माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर उपज का सटीक आकलन संभव हो सकेगा। किसानों को फसलों का बीमा उपलब्ध कराने और ग्राम पंचायत स्तर पर फसलों के निरीक्षण की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने के लिए भी एस-टेक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। राजस्व विभाग की ओर से फसलों की क्राप कटिंग कराई जाती है। इसके बाद क्लस्टर के आधार पर इसकी रिपोर्ट निदेशालय भेजी जाती है। रिपोर्ट की स्वीकृति होने पर बीमा कंपनियों को ब्योरा उपलब्ध कराया जाता है।

रामपुर पुलिस द्वारा अपहरण करने वाले एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना रामपुर पुलिस द्वारा अपहरण करने वाले एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार ।पुलिस अधीक्षक जौनपुर के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्वेक्षण में थाना रामपुर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-68/2025 धारा 137(2), 87 बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त राहुल गौतम पुत्र अलदन गौतम निवासी सेमुहीडीह थाना रामपुर जनपद जौनपुर को बरसठी तिराहा से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तार शुदा आरोपी के विरुध्द आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान संबंधित न्यायालय किया गया।

लापरवाही व शिथिलता बरतने पर चार अधिकारियों का रोका वेतन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मंडलायुक्त विवेक ने बुधवार को आयुक्त सभागार में मंडल में राजस्व वसूली, निमार्णाधीन परियोजनाओं और स्थानीय निकायों की प्रगति की समीक्षा की। देर शाम तक चली समीक्षा बैठकों में उन्होंने कार्यों में शासन की मंशा के अनुरूप प्रगति लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा में मंडलायुक्त ने पाया कि बलिया में मंडी आय में मात्र 82.01 प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई, जिसके चलते जनपद की रैंकिंग 74वीं और ग्रेड ह्यई है। बार-बार निदेर्शों के बावजूद प्रभारी सचिव, मण्डी समिति बेल्थरोड और रसड़ा द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। मंडलायुक्त ने दोनों का एक दिन का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का आदेश दिया। इसी तरह, स्टाम्प व रजिस्ट्रेशन में बलिया की 77.16 प्रतिशत और 74वीं रैंक (डी ग्रेड) पर नाराजगी जताते हुए डीआईजी स्टाम्प को स्पष्टीकरण देने को कहा। सीआरओ बलिया को गेहूं खरीद में तेजी लाने और बिहार-बलिया बॉर्डर के लिए गठित समिति के लिए पुलिस अधीक्षक से समन्वय करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डीएम की अनुमति के बिना कोई जनपदीय अधिकारी मुख्यालय न छोड़े।

महिला पर्यटक की शिकायत पर संदिग्ध अरेस्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के जौनपुर की रहने वाली एक महिला पर्यटक के दावे के आधार पर संदिगध को हिरासत में ले लिया है। सुरक्षा एजेंसियां आरोपी से पूछाताछ कर रही है। दरअसल, महिला ने स्केच जारी होने के बाद संदिग्ध की पहचान का दावा किया था। बता दें कि हमले से एक दिन पहले यानी 20 अप्रैल को वह बैसरन वैली घूमने गई थीं, जहां उनकी मुलाकात एक संदिग्ध व्यक्ति से हुई थी। महिला का कहना है कि यह व्यक्ति हूबहू उस संदिग्ध जैसा दिख रहा था, जिसकी तस्वीर जांच एजेंसियों द्वारा जारी की गई है। महिला ने बताया कि वह व्यक्ति उन्हें खच्चर की सवारी करा रहा था और बातचीत के दौरान अजीब सवाल पूछ रहा था। इन सवालों में यह पूछा गया कि क्या वह कभी अमरनाथ यात्रा या अजमेर दरगाह गई हैं और उनके दोस्त किस धर्म के हैं। महिला ने बताया कि उसने अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन किया है, लेकिन यात्रा पर नहीं गई। इस पर संदिग्ध व्यक्ति ने कहा, आप रजिस्ट्रेशन मत कीजिए, बस तारीख बता दीजिए, हमारा आदमी लेने आ जाएगा। बातचीत के दौरान जब महिला ने उसका फोन नंबर मांगा तो उसने बहाना बनाते हुए कहा कि उसका फोन खराब है और बहुत आवाज करता है। तभी उसके फोन पर एक कॉल आई जिसमें कोडवड्र्स में बातचीत की गई। महिला ने कॉल में सुना ₹प्लान अ ब्रेक फेल, प्लान इ झ 35 बंदूकें भेजी हैं, घास में छुपी हैं। इसके बाद जब संदिग्ध को लगा कि महिला उसकी बातों को गंभीरता से सुन रही है, तो वह अपनी स्थानीय भाषा में बात करने लगा।

अब बेटियों को शादी पर मिलेंगे 1 लाख रुपए-CM

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ पाने के लिए निर्धारित दो लाख रुपये वार्षिक आय सीमा को बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने की आवश्यकता जताई है। बता दें कि गुरुवार को समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष से सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र नवविवाहित जोड़ों को 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये करने का निर्णय लिया है। एक लाख रुपये की इस राशि में से 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में जमा किये जाएं, जबकि नवविवाहित जोड़े को 25 हजार रुपये के उपहार दिए जाने चाहिए, शेष 15 हजार रुपये वैवाहिक समारोह में व्यय किये जायें। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, वृद्धावस्था पेंशन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र वृद्धजन, पेंशन से वंचित न रहें। योजना के और बेहतर क्रियान्वयन के लिए इसे फैमिली आईडी से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी से जुड़ने के बाद पात्रता की श्रेणी का कोई भी निराश्रित वृद्धजन जैसे ही 60 वर्ष का होगा, उसे तत्काल पेंशन की राशि मिलने लग जाएगी।

13 गांवों में पंचायत भवन नहीं, घर बैठकर काम कर रहे प्रधान

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। जिले की 13 ग्राम पंचायतों पंचायत भवन का निर्माण कार्य अधूरा है। इससे इन गांवों के प्रधान और सचिव घर से काम करते हैं। ग्रामीण योजनाओं का लाभ लेने के लिए ब्लॉक और तहसील कार्यालय के चक्कर लगाते हैं। जनपद के 16 ब्लॉकों में कुल 1238 ग्राम पंचायतें हैं। 13 ग्राम पंचायतों को छोड़कर सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन हैं। पंचायत भवन होने से गांवों में विकास कार्य धरातल पर उतारने में सहूलियत मिलती है। वहीं पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पंचायत भवनों के अधूरे होने का मुख्य कारण जमीन विवाद है। कुछ मामले न्यायालय में विचाराधीन है। पंचायत भवन ग्राम पंचायत का मुख्य कार्यालय होता है। जहां ग्राम पंचायत की बैठकें होती हैं। विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार की जाती है।

चकबंदी कानूनगो व लेखपाल पर भ्रष्टाचार का आरोप

अमरोहा (उत्तरशक्ति)। पैमाइश के नाम पर दो अलग-अलग मामलों में छह लाख तीस हजार की रकम लेने का आरोप हल्का लेखपाल व कानूनगो पर लगाया है। इस मामले में दो लेखपाल व एक चकबंदी कानूनगो के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की गई है। थानाक्षेत्र के गांव जयतौली निवासी चंद्रपाल सिंह का कहना है कि गांव में चकबंदी प्रक्रिया चल रही है। चक की पैमाइश के नाम पर चकबंदी कानूनगो और लेखपाल के द्वारा डेढ़ लाख की रकम मांगी गई थी। दोनों को एक लाख तीस हजार की रकम दी गई। रकम लेने के बाद भी कानूनगो व लेखपाल टालमटोल करते रहे। रकम वापसी मांगी तो वापस नहीं की गई। उन्होंने लेखपाल व कानूनगो पर गाली-गलौज और धमकी देने का भी आरोप लगाया है। कहा कि इस घटना से वह शारीरिक और दिमागी रूप से परेशान है। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि मामले में कोर्ट के आदेश पर चकबंदी कानूनगो विनीत गुप्ता व लेखपाल शैलेंद्र सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। उधर, गांव रहरा थाना क्षेत्र के गांव जयतौली निवासी कोशिन्द्र का कहना है कि गांव में चकबंदी प्रक्रिया चल रही है। चक बनवाने के नाम पर हल्का लेखपाल को पांच लाख की रकम दी गई थी, ना तो काम ही हुआ और ना रकम लौटाई। अभद्रता करते हुए झूठा केस लगवाने की धमकी दी गई।

सांड़ के हमले से होमगार्ड की मैत

अमरोहा। गांव पुटसल निवासी होमगार्ड किरनपाल (48) पर बृहस्पतिवार सुबह सांड़ ने हमला कर दिया। सांड़ ने होमगार्ड को सींग पर उठाकर पटक दिया। ग्रामीणों ने किसी तरह सांड़ को भगाकर उन्हें बचाया। गंभीर हालत में परिजन होमगार्ड को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सैदगगली थानाक्षेत्र के गांव पुटसल निवासी होमगार्ड किरनपाल की आदमपुर थाने में ड्यूटी चल रही थी। बृहस्पतिवार सुबह करीब आठ बजे वह खेत पर जाने के लिए घर से निकले थे।

बग्गा के नेतृत्व में व्यापारियों ने फूंका पाकिस्तान का झंडा

कश्मीर में 28 पर्यटकों की नृशंस हत्या के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग हेतु भारत सरकार को ज्ञापन

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। उरी, पठानकोट, पुलवामा जैसे आतंकवादी हमलों का करारा जवाब देने के बावजूद, कश्मीर में इस प्रकार के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह बात एक बार फिर स्पष्ट हो गई है, कश्मीर के पहलगाम में हुए इस भीषण आतंकी हमले से वहां आतंकवादियों ने भारतीय पर्यटकों का धर्म पूछकर 26 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी। इस हमले से आक्रोषित व्यापारियों ने पाकिस्तान का झंडा फूंका. वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजित सिंह बग्गा ने कहा यह घटना केवल आतंकियों की क्रूरता ही नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता और हिंदू समाज पर हुआ एक सीधा हमला है। यह जिहादी आक्रमण, कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार का ही अगला चरण है। इस पर केवल निंदा न करते हुए, भारत सरकार को चाहिए कि वह इन जिहादी आतंकियों और उनके भारत में मौजूद समर्थकों के खिलाफ ऐसी कठोर सैन्य कार्रवाई करे, जो उनके लिए आजीवन सबक बन जाए झ ऐसी मांग हिन्दू जनजागृति समिति ने भारत सरकार से वाराणसी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार को ज्ञापन देकर किया। इस समय वाराणसी व्यापार मंडल के

अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, प्रदेश मंत्री रमेश निरंकारी, राष्ट्रीय मंत्री विश्व हिंदू महासंघ अधिवक्ता जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, हिंदू युवा वाहिनी प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष पांडे, अधिवक्ता सजीवन यादव, अधिवक्ता मदन मोहन, भारतीय पथ विक्रेता संघ अध्यक्ष आशीष गुप्ता, रवि श्रीवास्तव, हिन्दू जनजागृति समिति के राजन केशरी आदि उपस्थित थे। इस हमले में मारे गए 26 पर्यटक देश के विभिन्न राज्यों से थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि आतंकवादियों का उद्देश्य पूरे देश में दहशत फैलाना था। हत्या के जो वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही हैं, वे देखकर लगता है कि यह क्रूरता मानवता को भी शर्मसार करने वाली है। पिछले कुछ समय से हिंदू व्यवसायियों, कर्मचारियों और कश्मीरी हिंदुओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटाकर कश्मीर को भारतीय संविधान की पूर्ण रूपरेखा में लाया, चुनाव कराए, विकास के प्रयास किए; फिर भी आतंकी गतिविधियाँ थमने का नाम नहीं ले रहीं। ऐसे भयानक आतंकी हमले स्थानीय लोगों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं।

वर्ष 1990 में 90,000 हिंदुओं की हत्या और साढ़े चार लाख कश्मीरी हिंदुओं का जबरन पलायन इसी षड्यंत्र के तहत किया गया था। अब हो रहे ये हमले उसी साजिश की अगली कड़ी हैं। अतः इस हमले में कौन-से संगठन, नेता या जिहादी आतंकी शामिल हैं, यह पता लगाकर उनके खिलाफ ह्यआतंकवाद विरोधी कानूनों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई कर उन्हें स्थायी सबक सिखाया जाना चाहिए, ऐसी मांग समिति ने की है। इसके साथ ही समिति ने यह भी मांग की कि, कश्मीर घाटी में व्यापक ह्यकॉम्बिंग ऑपरेशन चलाकर आतंकियों का संपूर्ण खात्मा किया जाए। जिन इलाकों से बार-बार आतंकी हमले हो रहे हैं, वहां स्थायी सैन्य ठिकाने बनाए जाएं। कश्मीर में बचे हुए हिंदू पर्यटकों, व्यवसायियों और कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा योजना लागू की जाए।

पहलगाम घटना के विरोध में मुसलमानों ने फूंका पाकिस्तान का झंडा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पाकिस्तान का झंडा जलाकर गुस्से और गम का इजहार किया गया। शहर की तमाम मस्जिदों में कश्मीर सहित देश भर से आतंकवाद के खात्मे और अमन व शांति की दुआ मांगी गई। साथ ही पाकिस्तान की साजिश को नाकाम करने के लिए आपसी मोहब्बत और एकता को मजबूत करने का आहवान किया गया। प्रदर्शन के बाद दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि देने के साथ ही पाकिस्तान और इसराइल को आतंकी देश घोषित करने की मांग भी उठाई गई। बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में जुमा की नमाज के बाद प्रदर्शन की अगुवाई करते हुए मजलिसे उलमा ए हिन्द के महासचिव मौलाना सैयद कल्बे

जवाद नकवी ने पाकिस्तान को पापिस्तान बताते हुए कहा कि पाकिस्तान से जिस तरह के बयान आए हैं उससे जाहिर होता है वो हिन्दू और मुसलमानों को आपस मे लड़ना चाहता है। लिहाजा हमें उसकी साजिश को नाकाम करने के लिए आपस मे मिलजुल कर मोहब्बत और एकता को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि जो भी लोग हिंदू और मुसलमानों के बीच नफरत फैलाना चाहते हैं वो चाहे हिंदू हो या मुसलमान वो पाकिस्तान के एजेंट हैं। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि भारत से अलग हुए देशों को मिलाया जाए। उन्होंने कहा कि मारने वाले आतंकी मुसलमान नही है बल्कि पर्यटकों को बचाने वाले कश्मीरी नौजवान मुसलमान हैं। उन्होंने पहलगाम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ कट्टरपंथी गाजा में महिलाओ और बच्चों की हत्या पर खुशी मना रहे थे। उनको समझना होगा कि मौत का दर्द सबका बराबर होता है। उन्होंने पाकिस्तान और इसराइल को आतंकी देश घोषित करने की मांग की। इस मौके पर मौलाना सरताज हैदर, मौलाना रजा हुसैन, मौलाना आदिल फराज मुख्य रूप से मौजूद रहे। टीले वाली मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजी काली पट्टी बांधकर शामिल हुए। नमाज के बाद पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। टीले वाली मस्जिद के इमाम मौलाना फजले मन्नान रहमानी ने दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। मौलाना ने कहा कि कोई भी मजहब बेगुनाहों की हत्या करने की इजाजत नही देता है। उन्होंने पहलगाम में पर्यटकों की हत्या करने वालो को सख्त सजा देने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल स्व. डॉ कल्बे सादिक के बेटे शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे सिबतैन नूरी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि पीओके में आतंकी शिविरों पर हमला कर खत्म किया जाए। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद अगर में बेगुनाह मुसलमानों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता के लोग देश और हिदुओं के दुश्मन है और नफरत का माहौल बनाना चाहते हैं। सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करें।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से बालक की मौत

बस्ती ,वाल्टरगंज। बस्ती डुमरियागंज मार्ग पर भुजैनिया गांव के समीप बृहस्पतिवार सुबह लगभग साढ़े छ बजे तेज गति से आ रही कार की चपेट में आने से साइकिल सवार आठ वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवार के लोगों ने घायल आठ वर्षीय राज चौधरी पुत्र राम सुरेश चौधरी निवासी भुजैनिया थाना वाल्टरगंज को पीएचसी सल्टौआ पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां के चिकित्सक ने मेडिकल कालेज कैली रेफर कर दिया। कुछ देर इलाज के बाद मासूम की मौत हो गई। मौत की खबर से उसकी मां पूजा देवी, भाई रेहंस, पिता राम सुरेश सहित परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि वह जिनवा चौराहे से कुछ सामान लेकर घर लौट रहा था। सामने से कार लेकर आ रहा चालक उसे टक्कर मारकर भाग गया। राज दो भाइयों में सबसे बड़ा था। वह सल्टौआ में दूसरी कक्षा का छात्र था। थानाध्यक्ष उमा शंकर तिवारी ने बताया कि मृतक के बाबा जवाहिर लाल की तहरीर के आधार पर अज्ञात कार चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मोशन एजुकेशन ने पटना में शुरू किया द्रोणा रेसिडेंशियल कैंपस, छात्रों को मिलेगी अत्याधुनिक सुविधाएं

पटना (उत्तरशक्ति)। देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मोशन एजुकेशन ने राजधानी में एक अनोखे तरह के भव्य रेसिडेंशियल कैंपस का शुभारम्भ किया, जहां एक ही छत के नीचे छात्रों को सारी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा प्रदान की जाएगी। एम्सझदीघा नहर रोड में महावीर नगर स्थित इस रेसिडेंशियल कैंपस का शुभारंभ पूरे बिहार से आए वरिष्ठ शिक्षकों ने फीता काटकर किया। मौके पर संस्थान के निदेशक राहुल सिंह ने बताया कि इस कैंपस में एक ही छत के नीचे छात्रों को सारी सुविधाएं मिलेंगी जैसे क्लासरूम, हॉस्टल, वातानुकूलित कैंपस, डाउट क्लासेज, लाईब्रेरी, इनडोर गेम्स के साथझसाथ भोजन की गुणवत्ता एवं सुरक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि इस कैंपस को शुरू करने का एक मात्र ध्येय यही है कि बिहार के छात्रों को पटना में ही सारी उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान कर दी जाए ताकि उनको कोटा जाने की आवश्यकता ही न पड़े। यहां के सारे शिक्षक भी कोटा से ही हैं जिनके मार्गदर्शन में बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान होगी। इस तरह का ये एक मात्र कैंपस है जो पटना में स्थित है और कोटा के समकक्ष है। उद्घाटन के पश्चात संस्थान के द्वारा सभी शिक्षकों को कैंपस का भ्रमण कराया गया। सभी शिक्षकों ने इसे बहुत सराहा एवं संस्थान को शुभकामनाएं दी। शिक्षकों ने संस्थान के निदेशक राहुल सिंह के इस अभूतपूर्व प्रयास के लिए उन्हें काफी सराहा और साथ ही कहा कि इनका ये कदम बिहार के शिक्षा में एक क्रांतिकारी पहल है। मौके पर मोशन एजुकेशन से जुड़े सभी कर्मचारीगण की उपस्थिति रही।

बिंद समाज विकास संघ के गाजीपुर जिला अध्यक्ष गुलाब बिंद द्वारा निशुल्क गैस सिलेंडर वितरण संपन्न

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। गुरुवार को बिंद समाज विकास संघ गाजीपुर जिला अध्यक्ष की धर्मपत्नी सदर गाजीपुर क्षेत्र की पूर्व ब्लाक प्रमुख उर्मिला बिंद ने अपने क्षेत्र वासियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लगभग 50 गैस सिलेंडर और चूल्हा, बाटकर लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने में मदद की। उर्मिला बिंद गाजीपुर की एक सशक्त महिला समाजसेविका के रूप में जानी जाती हैं। इनका जीवन लोगों की भलाई परोपकार निस्वार्थ सेवा के रूप में समर्पित रहता है। गाजीपुर में एक कुशल राजनीतिक क्षेत्र में भी बड़ी पहचान के रूप में अपनी राजनीतिक पकड़ बनाई हुई है। उनके पति गुलाब बिंद एक वरिष्ठ समाजसेवी और कुशल सामाजिक प्रवक्ता के

रूप में हर क्षेत्र में अपने कार्यों, अपने प्रेम परोपकार मेहनत से लोगों के दिलों में जगह बनाकर समाज सेवा का काम करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि बिंद समाज विकास संघ एक ऐसा संगठन है जो भारत के कोने कोने में अपनी कुशल सामाजिक राजनीतिक और शैक्षणिक स्तर पर सामाजिक और गैर सामाजिक लोगों की मदद के लिए हर समय खड़े रहता है। ऐसे संगठन के माध्यम से अपील करता हूं कि समाज के लोग सभी महिला पुरुष मिलकर इस संगठन के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़े और सदस्य बनकर संघ को मजबूत करने का काम करें। उर्मिला बिंद और गुलाब बिंद ने संघ के कार्यकताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया कि संघ ने हमें गाजीपुर का जिला अध्यक्ष बनाकर गांव समाज देश की सेवा करने का मौका दिया।

आगरा में दो मुस्लिम युवकों की हत्या

आगरा (उत्तरशक्ति)। आगरा के थाना ताजगंज में मुस्लिम युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें कथित हिंदूवादी संगठन के नाम पर दो युवकों ने हत्या की जिम्मेदारी ली। ये वीडियो तेजी से वायरल हुआ, तो पुलिस भी एक्शन में आ गई। पुलिस ने इस वीडियो को गलत बताते हुए इसका खंडन किया है। साथ ही ऐसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। ताज के हाई सिक्योरिटी जोन के नजदीक ताजनगरी फेज-1 में बुधवार रात को बदमाशों ने रेस्तरां संचालक के चचेरे भाई की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। दूसरी गोली चलाई, जोकि कर्मचारी की गर्दन को रगड़ती हुई निकल गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुस्साहसिक वारदात के बाद बदमाश बाइक से भाग निकले। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से हमलावरों की तलाश में लगी है। वहीं इस घटना के बाद एक आपत्तिजनक वीडियो बृहस्पतिवार को वायरल हुआ। इसमें दो युवक आपत्तिजनक बातें कह रहे हैं। सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की बातें कही गई हैं। हत्याकांड को अंजाम देने का दावा भी कर रहे हैं। हालांकि ये युवक दो युवकों की हत्या की बात कर रहे हैं, पहला झूठ तो ये ही है। फायरिंग में गुलफाम नाम के युवक की जान गई, वहीं सैफ नाम के दूसरे युवक की गर्दन से गोली रगड़ते हुए चली गई। कथित हिंदूवादी संगठन के नाम पर युवकों द्वारा वीडियो जारी करने को लेकर आगरा पुलिस ने एक्स पर पोस्ट किया है। पुलिस ने साफ-साफ कहा है कि सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से माइक्रोब्लॉगिंग साइट्स द्वारा एक झूठी खबर फैलाई जा रही है। थाना ताजगंज क्षेत्र में 23 अप्रैल को हुई घटना के समय मृतक के तीन साथी मौके पर मौजूद थे उनमें से किसी एक के द्वारा भी कोई ऐसी बात परिजनों तथा पुलिस टीम को नहीं बताई गई है। अतः आप भ्रामक तथा गैरजिम्मेदाराना पोस्ट कदापि न करें। मौके पर भोजन को लेकर विवाद सामने आया है। पुलिस की तफ्तीश में नाम प्रकाश में आए हैं। पुलिस टीम द्वारा शीघ्र ही अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घायल सैफ अली ने बताया कि बुधवार रात को 12 बजे के बाद रेस्तरां बंद करने की तैयारी चल रही थी। वह सभी सामान समेटने में लगे हुए थे। इसी बीच बाइक से आए तीन युवकों ने कुछ दूरी पर बाइक खड़ी कर दी। दो युवक रेस्तरां पर पहुंचे। गुलफाम ने कहा कि क्या चाहिए, रेस्तरां तो बंद हो चुका है। तभी एक युवक ने पिस्टल निकाली और गुलफाम के सीने से सटाकर गोली मार दी।

कृषक इंटर कॉलेज के सभागार में पहलगाम मृतकों को शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने दी श्रद्धांजलि

बस्ती ,गौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के कायराना हमले से हर तरफ लोगों में गुस्सा है। बृहस्पतिवार को कृषक इंटर कॉलेज के सभागार में प्रधानाचार्य अरविंद कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान आतंकवाद की निंदा की गई। सरकार से हमले के दोषी आतंकवादियों को कठोर सजा देने की मांग की गई, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो। प्रधानाचार्य ने कहा कि जिस तरह से पर्यटकों की धर्म के आधार पर नृशंस हत्या की गई, वह निंदनीय है।

इस मौके पर पवन कुमार शुक्ल, धर्मेंद्र कुमार, अनीस अहमद खान, प्रत्यूष कुमार सिंह, संतोष शुक्ल, दुर्गा प्रसाद दुबे, अभय कुमार उपाध्याय, संदीप त्रिपाठी, मीरावती उपाध्याय, हीरालाल आदि मौजूद रहे। ब्लॉक क्षेत्र के विशेषरगंज बाजार में बुधवार की देर शाम कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के विरोध में लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। मृतकों को श्रद्धांजलि दी व सरकार से आतंकवादी संगठनों को मिटा देने की मांग की। कहा कि भारत की बढ़ती ताकत को देखकर पाकिस्तानी आतंकी बौखला गए हैं। इस घटना से देशवासी दुखी हैं।

पुलिस की कार्यशैली से करणी सेना में आक्रोश

अमेठी। पुलिस की कार्यप्रणाली से खफा करणी सेना के पदाधिकारी बृहस्पतिवार को एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसपी कार्यालय गेट पर प्रदर्शन करने के बाद ज्ञापन सौंपकर मांगें पूरी करने की मांग की। संगठन के पदाधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि संग्रामपुर थाने से निरीक्षक संदीप राय का 11 माह पूर्व ही स्थानांतरण हो चुका है, लेकिन अभी तक उन्हें रिलीव नहीं किया गया है। आरोप है कि वह स्थानांतरण के बावजूद पद पर बने हुए हैं और जनता की शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वह लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और फरियादियों का उत्पीड़न कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान करणी सेना ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।